सच के हक में.. THE PHOTON NEW

Aishwarya Arjun And Umapathy...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 10 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 142 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com



O BRIEF NEWS गैंगरेप के आरोपियों की

अबतक नहीं हुई गिरफ्तारी

RANCHI: राजधानी रांची में बीते दिनों से आपराध की कई घटनाएं घटी है। उसके बाद भी रांची पुलिस सजक नहीं हैं। दस दिन पहले नामकुम इलाके में अपराधियों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया था। दस दिन बीत जाने के बाद भी रांची पुलिस गैंगरेप में शामिल आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस इस दुष्कर्म के आरोपियों को अबतक न तो गिरफ्तार कर सकी है और न ही इस घटना में लोगों की पहचान कर सकी है। इसको लेकर रांची पलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। आपकों बता दें कि दस दिन पहले नामकुम इलाके के खरसीदाग ओपी क्षेत्र में सेना के जवान की पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था। चार युवकों ने घटना को अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुँचकर ग्रामीण एसपी और डीएसपी ने मामले की छानबीन की थी।

इजरायल ने हफ्तों तक की बंधकों को छुड़ाने की प्लानिंग

NEW DELHI : इजरायल ने शनिवार को गाजा में ऑपरेशन चलाकर ७ अक्टूबर को नोवा म्यूजिक फेस्टिवल से अगवा किए गए 4 बंधकों को रिहा करा लिया। हमास के कंट्रोल वाली गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने दावा किया है कि हमले में 274 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इजराइली सेना आईडीएफ के एडिमरल डैनियल हगारी ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि उन्होंने गाजा के अंदर इस ऑपरेशन को कैसे अंजाम दिया। सीएनएन न्यूज के मुताबिक, ऑपरेशन की प्लानिंग कई हफ्तों पहले शुरू हो चुकी थी। इजराइल को अमेरिका के खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी, कि हमास ने नुसीरत रिफ्यूजी कैंप में 4 बंधकों को छिपा रखा है। इसके बाद इजराइली सेना ने गाजा में मौजूद इमारतों और अपार्टमेंट की तर्ज पर बिल्डिंग के मॉडल्स बनाए। यहां पर हफ्तों तक सैनिकों ने ऑपरेशन के लिए ट्रेनिंग की। इस बीच सेना ने लगातार गाज में हमास के ठिकानों पर हमले किए।

91 साल का अरबपति रेप के आरोप में गिरफ्तार

NEW DELHI : कनाडाई अरबपति फ्रैंक स्ट्रोनक को रेप, यौन उत्पीड़न, महिला को जबरन कैद रखने समेत पांच अपराधों में आरोपी बनाया गया है। कनाडा के मशहूर बिजनेसमैन फ्रैंक स्ट्रोनक को शुक्रवार को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। स्ट्रोनक दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो पाटर्स कंपनी के फाउंडर हैं। पुलिस ने स्ट्रोनक को फिलहाल कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया है। उन्हें बाद में ब्रैम्पटन, ओंटारियो की एक अदालत में पेश होना होगा। कनाडा की पील रिजनल पुलिस ने एक बयान में कहा कि 91 साल के स्ट्रोनक पर 80 के दशक से लेकर 2023 तक महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का



एलायंस (एनडीए) के नेता नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद व गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति भवन में दिलाई। इसके साथ ही मोदी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मोदी के साथ 72 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इसमें 30 कैबिनेट मंत्री, पांच स्वतंत्र प्रभार के कैबिनेट मंत्री व 37 राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वालों में म्वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गड़करी, निर्मला सीतारमण, जे पी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर, मनोहर लाल खट्टर, पीयूष गोयल सहित कई अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने पांच साल बाद ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में वापसी की है। मोदी 2014 में लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 17वीं लोकसभा के चुनाव में भारी बहुमत से जीत के बाद वह लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। नेहरू 1947 से स्वतंत्रता के बाद से सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय

AGENCY NEW DELHI:

रविवार को नेशनल डेमोक्रेटिक



नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलातीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

झारखंड से अन्नपूर्णा देवी व संजय सेट बने मंत्री

झारखंड से कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। अन्नपूर्णा २०१९ में राजद से भाजपा में आई। उसी साल लोकसभा का टिकट मिला और जीतीं। 2021 में मोदी मंत्रिमंडल में शामिल हुई। 2024 में लगातार दूसरी बार संसद पहुंचीं। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। वहीं रांची के सांसद संजय सेंट ने भी मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने दूसरी बार रांची लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की है। इसबार उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार यशस्विनी सहाय को एक लाख से अधिक मतों से पराजित किया है।



हार की जिम्मेदारी लेने के बजाय फिर से शपथ ले रहे मोदी : सोनिय

रविवार को सोनिया गांधी ने शपथ ग्रहण से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, इस लोकसभा चुनाव में मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार हुई तथा उन्होंने अब नेतृत्व का अधिकार खो दिया है। सोनियाँ गांधी ने आगे कहा, विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय प्रधानमंत्री फिर से शपथ ले रहे हैं। हम उनसे यह उम्मीद नहीं करते हैं कि वे अपने शासन की शैली को बदल देंगे, न ही लोगों की इच्छा का संज्ञान लेंगे। सोनिया गांधी ने कहा, मोदी राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा।

शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संभवतः अकेले विपक्षी नेता हैं, जो प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए। बताया जाता है कि कुछ अन्य विपक्षी नेताओं को भी निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन खड़गे उन लोगों में से थे, जो राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण में कोई अन्य विपक्षी नेता शामिल नहीं हुआ और खड़गे ने वहां 'इंडिया' गठबंधन का प्रतिनिधित्व किया।

3-4 नावों पर सवार हो घुसे थे हमलावर कश्मीर में श्रद्धालुओं

मिणपुर में उग्रवादियों ने फूंक दी दो पुलिस चौकियां

AGENCY IMPHAL: मणिपुर के जिरीबाम जिले में

संदिग्ध उग्रवादियों ने शनिवार की रात को दो पुलिस चौकियों, एक फॉरेस्ट ऑफिस और 70 घरों में आग लगा दी। पलिस का कहना है कि हमलावर 3-4 नावों पर सवार हो बराक नदी के रास्ते घुसे थे। इससे पहले 6 जून को भी कुछ मैतेई गांवों और पुलिस चौिकयों पर हमले हुए थे। सूत्रों के चिन-कुकी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए बांग्लादेश की सरकार के निर्देश के बाद 200 से अधिक आतंकी बांग्लादेश में भारतीय सीमा में भाग गए हैं। वे मिजोरम के रास्ते मणिपुर में प्रवेश करने की ताक में हैं। इधर, आग लगाने की घटना जीरी मुख और छोटो बेकरा की पुलिस चौकियों और



• एक फॉरेस्ट ऑफिस और 70 घरों में भी लगाई आग

• एसपी का किया गया ट्रांसफर, घुसपैट की फिराक में 200 उग्रवादी

गोआखाल वन बीट ऑफिस में हुई। इस घटना के कुछ घंटों बाद एसपी का तबादला कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, जिरीबाम एसपी ए घनश्याम शर्मा को मणिपुर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज के एडिशनल डायरेक्टर पद पर ट्रांसफर कर

की बस पर आतंकी अटैक, १० की मौत

SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने श्रद्धालुओं को ले जा रही बस पर हमला किया है। इसमें 10 लोगों के मारे गए हैं, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। नई दिल्ली में पीएम मोदी और नई कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ये रियासी जिले के कंदा इलाके में यह टेररिस्ट अटैक हुआ है। रियासी की एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने शिव खोड़ी से कटरा जा रही बस पर ओपन फायर किया, जिसमें ड्राइवर घायल हुआ और उसका बस से कंट्रोल खो गया। इसके चलते बस खाई में गिर गई। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबिक 33 लोग घायल हो गए। मोहिता शर्मा ने बताया कि बस में सवार अन्य यात्रियों का रेस्क्यू कर लिया गया है। यात्रियों की पहचान नहीं हो पाई है। ज्यादातर श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के हैं। शिव खोड़ी मंदिर माता वैष्णो देवी का बेस कैंप है। उसे सुरक्षाबलों ने सिक्योर कर लिया है और इलाके को अपने

परीक्षा के 14 दिन बाद आईआईटी मद्रास ने घोषित कर दिया परिणाम

जेईई-एडवांस्ड एग्जाम का रिजल्ट जारी, वेद बने ऑल इंडिया टॉपर, गर्ल्स में द्विजा अंव्वल

AGENCY NEW DELHI:

रविवार को आईआईटी मद्रास का 26 मई को हुई जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम मात्र 14 दिन घोषित कर दिया। इस परीक्षा में 1.91.283 विद्यार्थियों को पंजीकत किया गया था। इस बार 48,248 विद्यार्थियों को आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए क्वालिफाई घोषित किया गया है। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में 40,284 छात्र एवं 7964 छात्राएं हैं। परिणामों में ऑल इंडिया मेरिट सूत्री में इस वर्ष एलन कोटा के कोचिंग छात्र व इंदौर निवासी वेद लोहाटी ने टॉप किया। लोहाटी ने 360 में से सर्वाधिक 355 अंक हासिल किए हैं। गर्ल्स केटेगरी में छात्रा द्विजा धर्मेश कुमार पटेल टॉपर रही, जिसने 322 अंक हासिल किए हैं।



• 48248 विद्यार्थी आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए क्वालिफाई घोषित

डीपीएस की तमन्ना बनी झारखंड टॉपर

रांची सेल टाउनशिप स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) की छात्रा तमन्ना कुमारी ऑल इंडिया रैंक 305 के साथ आईआईटी भुवनेश्वर जोन की गर्ल्स टॉपर एवं झारखंड की स्टेट टॉपर बनी हैं। तमन्ना ने अपनी उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और अपने माता-पिता को दिया है। डीपीएस रांची के 23 विद्यार्थियों ने

जेईई एडवांस्ड २०२४ की परीक्षा में



अपनी मेधा शक्ति के बल पर जेईई एडवांस २०२४ में एक बार फिर से शानदार प्रदर्शन कर अपनी योग्यता को साबित की है। विद्यार्थियों के अच्छे

મેરિટ लિસ્ટ મેં दुसरे स्थान पर आदिल व तीसरे पर भोगलपल्ली

मुख्य मेरिट सूची में रैंक–2 पर आदिल, रैंक–3 पर भोगलपल्ली संदेश, रैंक–४ पर रिथम केडिया, रैंक–5 पर पुट्टी कुशल कुमार, रैंक-6 पर राजदीप मिश्रा, रैंक-7 पर द्विजा पटेल, रैंक-8 पर कोड़ुरी तेजेश्वर, रैंक-9 पर धुवी हेमंत दोषी, रैंक-10 पर अल्लादा बोना सिद्धिक सुहास सफल रहे। उल्लेखनीय देश के 23 आईआईटी संस्थानों में गत वर्ष 17,385 सीटें थी, जिसमें से 13,918 पर छात्रों को एवं 3422 पर छात्राओं को प्रवेश दिया गया था। इस वर्ष 10 प्रतिशत सीटें बढने की उम्मीद है। याद दिला दें

कि जेईई–मेन से इस वर्ष 2.50 लाख शीर्ष परीक्षार्थियों को जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई घोषित किया गया था, लेकिन इनमें से 60 हजार इस कठिन प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए। जेईई-एडवांस्ड का रिजल्ट घोषित होने पर कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ढोल पर झुमते हुए सफलता का जश्न मनाया। कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार, आईआईटी एवं एनआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग 10 जून से शुरू होगी।

'यायावरी भोजपुरी महोत्सव' शिखर सम्मान से सम्मानित किए गए फिल्म अभिनेता कुणाल सिंह

हिंदी और भोजपुरी में विवाद ठीक नहीं : बैजनाथ मिश्र

PHOTON NEWS GORAKHPUR: भोजपुरी भाषा के सम्मान, स्वाभिमान और संरक्षण को समर्पित 'यायावरी भोजपुरी महोत्सव' का आयोजन रविवार

को गोरखपुर के गोकुल अतिथि भवन में किया गया। महोत्सव में भोजपुरी फिल्म अभिनेता कुणाल सिंह को तीसरे 'यायावरी शिखर सम्मान' से सम्मानित किया गया। झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त बैजनाथ मिश्र विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भोजपुरी हमारी मातुभाषा है। इस पर हमें गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाली जनगणना के दौरान हम सबको मातुभाषा कॉलम में भोजपुरी का उल्लेख करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार हिंदी और भोजपुरी के बीच विवाद खड़ा करने का प्रयास किया जाता है, यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भोजपरी के कमजोर होने से हिंदी भी कमजोर होगी। भोजपुरी को कमजोर करके हिंदी

मजबूत नहीं हो सकती है।

भाषा को अगर बहुत जकड़ना चाहेंगे तो वह बालू की तरह फिसल जाएगी : चंदन पांडेय आट सत्रों में आयोजित हुआ महोत्सव



कार्यक्रम का उद्घाटन करते झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त बैजनाथ मिश्र। भोजपुरी भाषा की पढ़ाई और इसके इतिहास पर चर्चा

पांचवें सत्र में 'अकादमिक भोजपुरी से नवकी पौध के नेह पर' डॉ. क्षमा त्रिपाठी, पमोढ तिवारी. आनंढ कीर्ति तिवारी और ब्रजभूषण मिश्र ने सार्थक चर्चा की। इस दौरान बिहार और उत्तर प्रदेश के

विश्वविद्यालय में भोजपुरी भाषा की पढ़ाई और इसके इतिहास पर चर्चा हुई। कहा गया कि इसको आगे बढाने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है।

गया। समारोह का पहला सत्र उद्घाटन सत्र रहा। दसरा सत्र 'भोजपरिया एलिट के माई भाषा से नेह छोह पर' केंद्रित रही। इस दौरान आईपीएस अधिकारी एवं कवि सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज और संजय शेफर्ड के बीच चर्चा हुई। सत्यार्थ अनिरुद्ध ने कहा कि भोजपुरी के विकास के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है।

भोजपुरी महोत्सव आठ सत्रों में आयोजित किया

छोटे-छोटे संगठन बनाकर और जिम्मेदारियां देकर हम बहुत कुछ बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने यह विमर्श रखा कि भोजपुरी के विकास के लिए क्या हिंदी से लंडने की जरूरत है या दोनों एक दूसरे के साथ रहकर बड़ी और छोटी बहन की तरह विकसित और पल्लवित हो सकती हैं। तीसरे सत्र में 'भोजपूरी कथा संसार आ पलायन के सोक गीत पर' विनिता परमार, प्रवीण कुमार, गौतम चौबे और धनंजय सिंह के बीच परिचर्चा हुई। लेखकों ने कहा कि भोजपुरी को अपना पाठक वर्ग तैयार करने की आवश्यकता है। चौथे

सत्र में 'भोजपुरी किताब के दुनिया : लेखक, प्रकाशक आ पाठक के संबंध' पर विमल चंद्र णंडेयः चंदन पांडेयः सत्य व्यास और केशव मोहन पांडेय ने विमर्श किया। चंदन पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि भाषा को जकड़ने की नहीं पकड़ने की जरूरत है। भाषा बिल्कुल बालू की तरह होती है, अगर उसे जैक करने का प्रयास किया जाएगा तो वह वह बंधन से बाहर निकल जाती है। अतीत का गौरव करने के साथ–साथ नवीनता को आत्मसात कर भोजपुरी विकसित हो सकती है। सत्य व्यास ने कहा कि भोजपुरी 22 करोड़ लोगों की भाषा है, लेकिन भोजपरी की किताब प्रकाशित करने वाले प्रकाशकों को पर्याप्त मात्रा में पाठक वर्ग नहीं मिल पा रहे हैं, यह बेहद चिंता की बात है। केशव मोहन ने कहा कि अगर एक निश्चित संख्या बल प्रकाशकों को मिल जाए तो वह निश्चित रूप से भोजपुरी की अधिक से अधिक किताबें का प्रकाशन करेंगे।

पेज ०५ भी देखें।

केंद्र ने जारी किया ब्यौरा १४२ आईएएस अफसरों के संपतियों का खुलासा

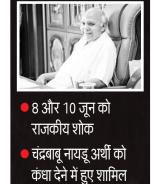
RANCHI : झारखंड के आईएएस अफसरों ने अपना संपति का विवरण दे दिया है। IAS OFFICER जिसे कार्मिक

🞾 मंत्रालय ने जारी किया है। जारी विवरण में 142 आईएएस अधिकारियों ने संपति का खुलासा किया है। इनमे दो सचिव और 11 डीसी रैंक के अधिकारी पास कोई संपति नही है। वहीं कई अफसरों की धन संपत्ति देश के कई राज्यों में है। राज्य के 11 डीसी रैंक के अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं है। इनमें नमन प्रियेश लकडा, माधवी मिश्रा, विजया जाधव, नारायण राव, अंजली यादव, अनन्य मित्तल, वरूण रंजन, नैंसी सहाय, भोर सिंह यादव, आदित्य कुमार आनंद, नेहा अरोड़ा और अबु इमरान शामिल हैं। वहीं सचिव रैंक के दो अफसर के श्रीनिवासन और राजेश सिंह के पास भी कोई संपत्ति नहीं है। झारखंड कैडर के 47 आईएएस अफसरों के पास कोई धन संपत्ति नहीं है।

हैदराबाद में नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई मीडिया जगत के बड़े आइकॉन रामोजी का हुआ अंतिम संस्कार

AGENCY HYDERABAD: रविवार को मीडिया जगत की

जानी-मानी हस्ती एवं रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का हैदराबाद में अंतिम संस्कार कर दिया गया। रामोजी फिल्म सिटी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे किरण ने चिता को मुखाग्नि दी। खबरों और मनोरंजन की दुनिया में व्यापक बदलाव लाने वाले रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का शनिवार सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 88 वर्ष के थे। रामोजी राव के अंतिम संस्कार में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू समेत कई नेता शामिल हुए। रामोजी राव ने समाचार पत्र ईनाडु और ईटीवी



चैनल समूह की शुरूआत कर अविभाजित आंध्र प्रदेश में मीडिया जगत में क्रांतिकारी बदलाव किया था। उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने 9 और 10 जून को राजकीय शोक की घोषणा की है।

O BRIEF NEWS

दक्षता जांच परीक्षा का किया गया आयोजन

KHUTI : तोरपा रोड, खूंटी टोली स्थित जेआइआइटी एकेडमी कम्प्यटर सेंटर में रविवार को छह माह का डिप्लोमा कम्प्यूटर कोर्स पुरा करने वाले विद्यार्थियों के बीच दक्षता जांच परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस संबंध में संचालक बिरेंद्र नाग ने बताया कि यहां न्यूनतम शुल्क में डिप्लोमा कोर्स के बाद विद्यार्थियों के लिए और भी कई कोर्स हैं जैसे एक वर्ष का एडवांस डिप्लोमा कोर्स, डीटीपी, प्रोग्रामिंग, कार्यालय कार्य से संबंधित, इंटरनेट, कार्यालय सहायक कोर्स, हिन्दी-अंग्रेजी टाइपिंग, फोटोशोप, टैली आदि। जो विद्यार्थी आगे का कोर्स करेंगे, उन्हें फीस में विशेष छूट दी जाएगी और विद्यार्थियों के संबंधियों को भी न्यूनतम शुल्क में कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

दुर्घटना में बेटे की मौत मां गंभीर रूप से घायल

KODARMA: डोमचांच थाना क्षेत्र के जयनगर-बगड़ो मुख्य मार्ग पर रविवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गई जबिक बच्चे की मां गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनसार सलईडीह निवासी किरण देवी (26) पति संदीप पासवान अपने बेटे अनमोल कुमार और अमूल कुमार के साथ बेहराडीह आपने मायके से ससुराल सलईडीह जाने के लिए निकली थी। इस दौरान जयनगर-बगडो मुख्य मार्ग के समीप ट्रक ने महिला और उसके छोटे पुत्र अमूल कुमार (7) को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में अमूल कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

लातेहार में अवैध अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

LATEHAR: लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच किलोग्राम 600 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अफीम तस्कर राजकुमार उरांव चतरा जिले के लावालॉन्ग का रहने वाला है। बरामद अफीम की कीमत लगभग 10 लाख रुपए मानी जा रही है। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए लातेहार के डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि एसपी अंजनी अंजन को गप्त सचना मिली थी कि कुछ अफीम तस्कर अवैध अफीम की तस्करी के लिए चंदवा की ओर आने वाले हैं। सचना के बाद एसपी के द्वारा अफीम तस्करों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों ने एसपी के निर्देश पर छापामारी की। ट्रक की चपेट में आया युवक

घटनास्थल पर ही हुई मौत LATEHAR: नवरंग चौक के पास रविवार को ट्रक की चपेट में आने से स्कृटी सवार एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटना स्तर पर पहुंच कर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दी है। जानकारी के अनुसार स्कूटी पर सवार होकर तीन यवक कहीं जा रहे थे। इसी बीच नवरंग चौक के पास सड़क पर बनाए गए ठोकर के कारण स्कूटी पर सबसे पीछे बैठा हुआ युवक अचानक असंतुलित होकर सड़क पर

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

शहादत दिवस पर याद किए गए धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा

PHOTON NEWS CHATRA

रविवार को शहादत दिवस पर झारखंड के धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धा के साथ याद किया गया। राज्य के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका त्याग और बलिदान से भरा जीवन राष्ट्र सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। नेताओं ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से बहुत पहले ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई में धरती आबा (भूमि के पिता) द्वारा दिखाया गया साहस और वीरता अनुकरणीय है। बता दें कि बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था और नौ जून 1900 को हिरासत में उनकी मौत हो गई थी। राधाकृष्णन ने



उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, मातृभूमि की रक्षा के लिए उनका अटूट साहस और संघर्ष हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। राधाकष्णन ने राजभवन. बिरसा मंडा स्मारक उद्यान एवं

संग्रहालय, बिरसा चौक और

कोकर स्मारक पर स्थित उनकी

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित

की। चंपई सोरेन ने सोशल

मीडिया मंच 'एक्स' पर किए

पोस्ट में कहा, भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन के साथ धरती आबा को नमन करने का सौभाग्य मिला। अंग्रेजों के जुल्म, शोषण एवं अत्याचार के विरुद्ध उलगलान करने वाले आबा के आदर्श आने पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रभक्ति एवं अन्याय के खिलाफ संघर्ष की राह दिखाते

रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ब्रिटिश हुकुमत की जड़ों को झकझोरने वाले, जल- जंगल- जमीन की रक्षा के लिए उलगुलान करने वाले, हम सभी के आदर्श, धरती आबा भगवान बिरसा मंडा जी के बलिदान दिवस पर उन्हें शत-शत नमन। उन्होंने कहा, हमारी सरकार आपके



नवचेतना के सूत्रधार थे भगवान बिरसा मुंडा : श्याम नारायण राम

KHUTI: अमर स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा आयुक्त श्याम नारायण राम ने रविवार कों उलिहातू जाकर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आजादी की जंग के महानायक, नवचेतना के सुत्रधार, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को शत शत नमन। डीडीसी ने कहा कि जिला प्रशसान द्वारा



कांग्रेस प्रदेश कमेटी के तत्वावधान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में रविवार को रांची के कांग्रेस भवन में मनायी गयी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव अमुल्य नीरज खलको ने कहा कि आज पूरे राज्य भर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि वृहत रूप से मनाई जा रही है। अंग्रेजों के शोषणकारी प्रवृति की वजह से मुंडाओं की सामूहिक खुंटकटी व्यवस्था नष्ट होने के कगार पर पहुंच गयी थी। बिरसा

PHOTON NEWS KHUNTI:

श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन व सीएम चम्पाई सोरेन।

मनाया शहादत दिवस

खिलाफ बगावत से भर उठा। उन्होंने अपने अनुचरों के साथ इनके खिलाफ 1897 में उलगलान (क्रांति) की शुरूआत की। वीर आरंभ जल,जंगल,जमीन की रक्षा और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में इनका नाम अमर शहीदों की सूची में शुमार है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते कारावास में उनकी मृत्यु हो गयी। उन्होंने ने कहा कि वीर बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में राजीव रंजन प्रसाद,मदन मोहन शर्मा, राजेश कुमार सहित



सोशल मीडिया मंच एक्स पर

की किए पोस्ट में कहा, देश की

स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों

की आहुति देने वाले महान

स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक

भगवान बिरसा मुंडा जी की

पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

महान क्रांतिकारी, धरती आबा,

जनजातीय गौरव, भगवान

बिरसा मुंडा जी का त्यागमय

जीवन राष्ट्र सेवा का अद्वितीय

शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सभागार में जनजाति सुरक्षा मंच एवं सेवाधाम पुरातन छात्र परिषद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक (झारखंड-बिहार) संदीप उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा अंग्रेजों के दांत

डीसी-एसएसपी ने दी श्रद्धांजलि

भगवान बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित किया। इसके चलते देश आजाद हुआ। मुंडा आदिवासियों और अन्य सभी के जरिये बिरसा को आज भी धरती बाबा के नाम से पूजा जाता है। बिरसा ने अंग्रेजों की लागू की गयी जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ

खट्टे करने वाले महान क्रांतिकारी थे। लड़ाई लड़ी। साथ-साथ जंगल-जमीन की लड़ाई के लिए उलगुलान की शुरूआत की। 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों कृटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल-जंगल-जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे। डॉ एचपी नारायण ने कहा कि बिरसा मुंडा एक ऐसे युवा थे जो मात्र 25 वर्ष की आयु में ही अपनी अमिट छाप छोड़ दिए।

याद किए गए भगवान बिरसा मुंडा

HAJARIBAGH: भगवान बिरसा मुंडा के 124वीं शहादत दिवस

के अवसर पर उपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने आवास में धरती आबा

की तस्वीर पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके

पर उपायक्त ने कहा कि भगवान बिरसा की शहादत हम सब के

लिए प्रेरणा के समान है। हम झारखंडवासियों को उनपर गर्व है।

उन्होंने 25 वर्ष की अल्पायु में देश के लिए अपने जीवन की

कुबार्नी दे दी। उनके कुशल नेतृत्व क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति की

बदौलत उस समय के ताकतवर सामंतों और अग्रेजों के विरुद्ध

उलगलान किया। जिला प्रशासन द्वारा भी पराना बस स्टैंड

अवस्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर

श्रुद्धांजलि दी गई तथा उनके बलिदानों को याद किया।



कल्पना सोरेन ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित की है। सोरेन

ने रविवार को रांची स्थित अपने आवास पर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर कल्पना सोरेन ने कहाँ कि भगवान बिरसा

मुंडा के बलिदान और संघर्ष ने आदिवासी समाज सहित पूरे विश्व में आत्मसम्मान

और गरिमा की भावना को प्रबल किया। आज वे पूरी दुनिया के शोषित और

पीडित लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हर अन्याय के खिँलाफ उलगुलान, यही

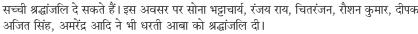
पुरुखों का रास्ता है उनके दिखाए मार्ग पर हम सदैव आगे बढ़ेंगे, तानाशाहों के समक्ष झुकेंगे नहीं। भगवान बिरसा मुंडा को शत शत नमन। झारखंड के वीर

> मुंडा के शहादत दिवस पर खूंटी के उप विकास उलिहातू को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित हैं।

पर्यावरण रक्षा का संकल्प ही धरती आबा को सच्ची श्रद्धांजलि : डॉ. कविता परमार

मुंडा का क्रांतिकारी मन इनके

JAMSHEDPUR : बिरसानगर के संडे मार्केट में जिला पार्षद डॉ. कविता परमार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मंदा का विचार और उनका समर्पण हमें प्रेरणा प्रदान करता है। हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प करते हैं। हम पर्यावरण की रक्षा करके



बिरसा की पुण्यतिथि पर लिया जल-जंगल बचाने का संकल्प

JAMSHEDPUR : धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर झारखंड जनतांत्रिक महासभा ने बिरसानगर और साकची के बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर जल, जंगल व जमीन बचाने का संकल्प लिया। महासभा के कृष्णा लोहार ने कहा कि आज झारखंड सरकार की ओर से सरकारी विज्ञापन



नहीं दिया गया, जो चिंतनीय है। इस मौके पर सोमनाथ पाड़िया, रायमूल बानरा, विष्णु गोप, दीपक रंजीत, रंजीत सिंह, नकुल लोहार, बबलू लोहार, सुनील लोहार, राज लोहार, अजय लोहार, गुगलु लोहार, सूरज लोहार बाबू लोहार, सागर पाल आदि उपस्थित थे।



संसदीय चुनाव में 99 फीसद लोगों ने नकारा, चुनाव लड़ने की मंशा पर उठ रहे सवालिया निशान

झारखंड पार्टी के समक्ष अस्तित्व बचाने की चुनौती

PHOTON NEWS KHUNTI:

झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाली झारखंड पार्टी, जिसके कभी बिहार विधानसभा में 32 विधायक हुआ करते थे, उसी झारखंड पार्टी के समक्ष आज अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। 1952 से 1972 तक खूंटी सुरक्षित संसदीय क्षेत्र में झारखंड पार्टी एकछत्र राज्य हुआ करता था। उसके उम्मीदवारों ने लगातार जीत हासिल की थी। खुंटी खासकर तोरपा, कोलेबिरा जैसे विधानसभा क्षेत्र में दूसरी पार्टियों के चुनाव प्रचार वाहन तक नहीं जाते थे। वहीं मारंग गोमके जयपाल सिंह और बाद में एनई होरो की एक आवाज से पूरा गांव एकजुट हो जाता था, आज उसी पार्टी के समक्ष अपनी पहचान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है।



कुछ लोग तो झारखंड पार्टी के चुनाव लड़ने की मंशा पर भी संवालिया निशान लगा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं की निष्क्रियता से साफ हो गया था कि किसी खास प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने के लिए पार्टी नेताओं ने मतदाताओं से दूरी बना ली। पार्टी नेता और

पार्टी के घटते जनाधार इसका

अनुमान सिर्फ इस बात से लगाया

जा सकता है कि इस वर्ष के

लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी

एक फीसदी लोगों का भी समर्थन

कार्यकताओं ने न तो चुनाव प्रचार में रुचि दिखाई और न ही मतदान के दिन पार्टी नेता कहीं नजर आये।

पाने में बुरी तरह विफल रही। इसके पहले 2014 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी दुसरे स्थान पर थी। पार्टी प्रयाशी एनोस एक्का ने भाजपा के कड़िया मुंडा को कड़ी

वोट मिले। झारखंड पार्टी के इतने खराब प्रदर्शन को लेकर सवाल उढने लगे हैं। लोगों का कहना है कि झारखंड पार्टी के खराब प्रदर्शन से पार्टी अध्यक्ष एनोस एक्का की साख को धक्का लगा है। इस नतीजे का असर विधानसभा चुनाव में दिखेगा। टक्कर दी थी। तोरपा-खुंटी सुरक्षित संसदीय सीट झारखंड पार्टी का गढ माना जाता था। सिमडेगा सीट से

एनोस एक्का के विधायक बनने

और राज्य की भाजपा सरकार को

38 बूथों पर एक भी वोट नहीं मिला

तोरपा विधानसभा क्षेत्र झारखंड पार्टी का सबसे

विधायक रहे हैं। इस चुनाव में तोरपा विधानसभा

क्षेत्र में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही खराब

रहा। यहां पार्टी प्रत्याशी को महज 672 वोट मिले

तोरपा विधानसभा क्षेत्र के 38 बूथों में झापा को

एक भी वोट नहीं मिला, वहीं 48 बूथों में एक, 52

बूथों में दो वोट मिले। 252 मतदान केंद्रों में से 246

बूथों में इसे दस से भी कम वोट मिला। बूथ संख्या

83 में सबसे अधिक 24 व बूथ संख्या 91 में 21

मजबुत गढ था। एनई होरो कई बार यहां से

समर्थन देने के मुद्दे पर पार्टी में दो फाड़ हो गया और उसके बाद से पार्टी का जनाधार लगातार घटने लगा। इसका परिणाम रहा कि 1980 के बाद 2024 तक कोई भी संसदीय चुनाव नहीं जीत सकी। इस संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पार्टी उम्मीदवार को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। झारखंड पार्टी को नोटा से भी कम मात्र 8532 वोट मिला, जबकि 21919 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। झारखंड पार्टी जमानत भी नहीं बचा पायी। निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे बसंत लोंगा को झारखंड पार्टी से अधिक 10755 वोट हासिल हुआ। इसका सीधा अर्थ है कि क्षेत्र की 99 फीसदी से अधिक लोगों ने झारखंड पार्टी कों

अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर और एक अन्य वाहन जब्त

DHANBAD: उपायुक्त सह जिला

दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने शुक्रवार रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में औचक जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान सुदामडीह थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किए गए। तीनों जब्त ट्रैक्टर को अंचल अधिकारी झरिया ने सदामडीह थाना को सुपुर्द कर दिया। वहीं बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मेमको मोड़ के पास जिला खनन पदाधिकारी तथा खान निरीक्षक ने अवैध बालु का परिवहन करते एक हाइवा जब्त किया। जब्त हाइवा को बरवाअड्डा थाना को सुपूर्द कर दिया। सुदामडीह थाना क्षेत्र में अवैध बालू लंदे तीनों ट्रैक्टर तथा बरवाअड्डा थाना में अवैध बालू का परिवहन करते हाइवा पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

छापामारी में दो लाख घनफीट अवैध बालू जब्त



PHOTON NEWS KHUNTI: उपायुक्त लोकेश मिश्रा के आदेश के आलोक में जिला खनन पदाधिकारी राम नरेश सिंह के नेतृत्व में खनन टास्क फोर्स ने रविवार को जरियागढ थाना क्षेत्र के बकसपुर, लापा, मोरहाटोली और कौवाखाप ग्राम में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाकर कारो नदी के समीप अवैध रूप से भंडारित दो लाख घनफीट अवैध बालू को जब्त किया। इसको लेकर दर आरोपितों के खिलाफ जरियागढ़ थाने में नामजद

प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि उक्त सभी आरोंपित बालू के अवैध खनन एवं भंडारण बिक्री तथा व्यापार में संलिप्त हैं। उन्होंने बताया कि कारो नदी एवं आसपास के क्षेत्र में अवैध बालू खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी के क्रम में पाया गया कि कारो नदी से बालू का अवैध खनन कर नदी के समीप लापा, बकसपुर, मोरहाटोली कौवाखाप (जलंगा) में भंडारण













THE PH©TON NEWS Www.thephotonnews.com

Monday, 10 June 2024

झारखंड में 12 तक भीषण

© BRIEF NEWS सचिवालय सेवा संघ का आंदोलन कल से

RANCHI: झारखंड सचिवालय सेवा संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की घोषणा की है. शनिवार को संघ की बैठक के बाद महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने क्रमबद्ध आंदोलन करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि 11 जन को संघ के सदस्य मख्य सचिवालय प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से प्रदर्शन करेंगे. मौन प्रदर्शन के बाद भी अगर संघ की मांगें नहीं मानी गईं, तो 19 और 20 जुन को काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे. इसके बाद भी अगर सरकार मांगों पर विचार करने को बाध्य नहीं हुई, तो 27 जुन को कलम बंद हड़ताल किया जाएगा. सचिवालयकर्मी हड़ताल पर रहेंगे. उसके बाद भी अगर सरकार की नींद नहीं टूटी, तो संघ आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन को तेज करेगा.

कल से 15 अक्तूबर तक बालू निकासी पर रोक

RANCHI: झारखंड के सभी बालू घाटों से 10 जून से बालू निकासी पर रोक लग जायेगी. खान विभाग की ओर से इस संबंध में सभी डीसी व डीएमओ को पत्र लिखा गया है. कहा गया है कि एनजीटी के आदेश से मॉनसून के दौरान 10 जून से 15 अक्तूबर तक बालू घाटों से बालू की निकासी नहीं होगी. आदेश में कहा गया है कि 10 जून से यदि किसी भी घाट से बालू की निकासी की जाती है, तो वह अवैध होगा. उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी. इधर मॉनसून में बालू उपलब्ध कराने के लिए जेएसएमडीसी ने सभी जिलों में स्टॉकिस्ट लाइसेंस जारी किया है. स्टॉकिस्ट की ओर से बालू का स्टॉक किया गया है. अब मॉनसून के दौरान स्टॉकिस्टों के माध्यम से या जेएसएमडीसी के साइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कराने से ही बालू मिल संकेगा. इधर सभी जिलों में स्टॉकिस्ट लगातार बालू का स्टॉक कर रहे हैं. इनके लिए जेएसएमडीसी द्वारा चालान दिया जा रहा है. बताया गया कि रविवार की शाम छह बजे तक स्टॉकिस्ट

डीसी करेंगे राज्य सरकार से कार्रवाई की मांग

बालू का स्टॉक कर सकते हैं.

RANCHI: नौकरी के कागजात वेरिफाई कराने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ नगडी सीओ ने बदसलकी की थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले को लेकर रांची डीसी राहुल सिन्हा के द्वारा सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ राज्य सरकार से कार्रवाई की अनुशंसा की किया जायेगी। जानकारी के मुताबिक, डीसी सोमवार को कार्रवाई की अनशंसा करेंगे। युवक नीकू महतो ने बताया कि आद्रा रेल मंडल में चतर्थ श्रेणी पद पर नौकरी लगी है। उसे 13 जून तक जॉइनिंग के लिए कैरेक्टर सर्टिफिकेट जमा करना है। इसे लेकर वह अंचल और प्रखंड कार्यालय की दौड़ लगा रहा था। लेकिन अंचलकर्मी उसे टहला रहे थे। 29 मई को नीकू नगड़ी सीओ राकेश श्रीवास्तव से मिला। इस पर सीओ ने कहा कि वह पुलिस अधीक्षक से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनवा कर लाये।

सूबे के सरकारी स्कूलों का बुरा हाल, विभाग को चिंता नहीं

कहीं अंडे के पैसे तो कहीं उधार के राशन से बन रहा एमडीएम

सरकारी स्कूलों में संचालित होनेवाली मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) का हाल बुरा है। कुकिंग कॉस्ट की राशि अधिकांश स्कुलों में नहीं है। ऐसे में कहीं अंडा/फल के पैसे से मध्याह्न भोजन बन रहा है, तो कहीं दुकानदारों से उधार लेकर भी बच्चों के लिए भोजन तैयार कराया जा रहा है। ग्रीष्मावकाश के बाद शनिवार को स्कल खले तो ह्यहिन्दुस्तानह्न की पड़ताल में यह बात निकलकर सामने आई कि अधिकांश स्कलों में अंडा/फल के पैसे से भोजन बन रहा है। स्कूलों में बताया गया कि दो माह पहले अंडा/फल मद में राशि दी गई थी, लेकिन इस वित्तीय वर्ष में किकंग कॉस्ट की राशि नहीं मिली है, इसलिए थोड़ी परेशानी बढ़ी हुई है।

अनगड़ा में 10 दिनों की राशि शेष

अनगड़ा के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए अगले 10 दिनों के लिए ही राशि उपलब्ध है। राजकीय मध्य विद्यालय, नवागढ़ के प्राचार्य हरेकृष्ण चौधरी ने बताया कि मई के पहले सप्ताह में एमडीएम के लिए राशि दी गई थी। इसके बाद गर्मी छुट्टी हो गई। स्कूल के कुल 333 बच्चों के लिए अभी मध्याह्न भोजन के लिए राशि है। वहीं, उत्क्रमित उच्च विद्यालय के सहज कुमार ने बताया कि अगले 10 दिन तक बहुत परेशानी नहीं है, लेकिन फंड जल्द उपलब्ध हो जाने से संचालन में आसानी होगी।

तेल-मसाला और सब्जी की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, शिक्षकों की बड़ी परेशानी यह है कि दिन के हिसाब से भोजन तैयार प्रधानाचार्य सखनाथ कम्हार ने

करने पड़ रहे हैं। बेड़ो के स्कूलों में कुछ माह की है राशि राजकीय मध्य विद्यालय जरिया, बेड़ो के

जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में एमडीएम मद की कुकिंग कॉस्ट से मिड डे मिल का संचालन हो रहा है। इस मद में

अतिरिक्त पोषाहार अंडा और फल की राशि 60122 अगले दो-तीन माह तक के लिए उपलब्ध है।

कांके में मेन्यू के अनुसार

डिग्री से ऊपर पहुंचने की संभावना है। वहीं पलाम प्रमंडल समेत चतरा, कोडरमा और नहीं बन रहा भोजन प्राथमिक विद्यालय उर्दू, खिजूरटोली, कांके में अंडे के हजारीबाग जिले में भी भीषण गर्मी रह सकती है। इस दौरान पैसे से एमडीएम बन रहा है। रांची समेत राज्य के दक्षिणी भाग प्राचार्य नसीम अहमद ने में भी अधिकतम तापमान में एक जानकारी देते हुए कहा कि इस से दो डिग्री वृद्धि की संभावना है। मद में अभी पांच-छह हजार 12 जून तक राज्य में कहीं-कहीं रुपये बचे हैं, इसके बाद उधार हल्के बादल छा सकते हैं, लेने की नौबत आ जाएगी। वहीं मध्याह्न भोजन के संचालन की लेकिन इससे उमसभरी गर्मी और जानकारी के संबंध में पूछे जाने बढ़ेगी। मौसम विभाग के पर कहा कि कुकिंग कॉस्ट की अनुसार, 13 जून से गर्म पछुआ राशि इस वित्तीय वर्ष में अबतक हवा का रुख बदलेगा। हवा का नहीं मिली है, इसलिए यह रुख दक्षिण-पूर्व की ओर से से परेशानी आ रही है। मेन्यू के अनुसार भोजन बनाने में दिक्कत कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। झारखंड में शनिवार को भी राज्य के अधिकांश हिस्सों में गर्मी रही। संताल के देवघर से लेकर 11081 अवशेष राशि उपलब्ध है। गोडुडा तक गर्मी बढ़ गई है। यहां



सबसे अधिक तापमान देवघर और चतरा में 44.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मेदिनीनगर का तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस रहा। रांची का तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों के दौरान गुमला में 26.4 मिमी बारिश हुई। लोहरदगा और गिरिडीह के कछ इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनसार झारखंड के आसपास के राज्यों में आसमान साफ रहने से गर्म और पश्चिमी हवा सीधे झारखंड में प्रवेश कर रही है। सूर्य की तीखी तिपश के साथ गर्म हवा आने से तापमान में वृद्धि हो रही है। इसका प्रभाव अगले चार

'आम जनता हेल्पलाइन' ने किया ५० से अधिक उलेमा-ए-कराम को सम्मानित

🗕 मेन रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया हॉल में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

अंडा/फल की राशि से ही गैस,

PHOTON NEWS RANCHI: रविवार को आम जनता हेल्पलाइन ने अंजुमन इस्लामिया हॉल, मेन रोड में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 50 से अधिक हुफ्फाज, कुर्रा, उलेमा और मुफ्तीयान ए कराम को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष

एजाज गद्दी ने की और संचालन

इमारत शरिया रांची के उपकाजी

शरीयत मुफ्ती अबु दाऊद कासमी ने।

मदरसों बच्चों को भी किया गया सम्मानित : कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड के कारी ए कुरान कारी सोहेब अहमद के तिलावत-ए- कुरान पाक से हुई। नात पाक मौलाना मोकर्रम मदनी ने पढा। हाजी फिरोज जिलानी ने आम जनता हेल्पलाइन के कार्यों



जरूरत है उलेमा से मोहब्बत करने की

एजाज गद्दी ने कहा कि स्कूल, कालेज के टॉपर को तो सब सम्मानित करते हैं। हम हमारी संस्था नवयुवक मदरसा के फारिंग हुफ्फाज, उलेमा, मुफ्ती को सम्मानित करने का कार्य करते है, ताकि उलेमा के नैतृत्व में समाज के लोग चल सकें और समाज में फैली बुराई खत्म हो सके। आज जरूरत है उलेमा से मोहब्बत करने का। उलेमा की रहनुमाई में जिंदगी गुजारने की जरूरत है। मौके पर कारी सोहेब अहमद, मुफ्ती तल्हाँ नदवी, मौलानाँ रिजवान, मौलाना तौफीक अहमद कादरी, मुफ्ती कमर आलम कासमी, मौलाना नजमुद्दीन, मौलाना डॉक्टर असगर मिस्बाही, मौलाना तल्हा नदवी, हाजी फिरोज जिलानी, मोहम्मद इस्लाम, अनवर खान, सैयद निहाल अहमद, जावेद अहमद, अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉक्टर तारिक, शहजाद बबलू, शाहिद अख्तर तुवलु, मोहम्मद वसीम, समेत सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

उद्देश को बताया। विभिन्न मदरसा के बच्चो को सम्मानित गया। साथ ही 36 हुफ्फाज, कुर्रा, उलेमा, मुफ्तियान ए कराम को शॉल

बुके देकर सम्मानित किया गया। आए हुए सभी लोगों का एजाज गद्दी, हाजी जसीम, हाजी फिरोज आदि ने स्वागत किया।

झारखंड कैडर के आईएएस अफसरों के पास करोड़ों के फ्लैट और जमीन

RANCHI: झारखंड कैडर के अफसरों के पास करोड़ों के फ्लैट और जमीन है. पेट्रोल पंप से लेकर धन संपत्ति से सालाना इनकम 17 लाख रुपये तक की है। आचार संहिता समाप्त होने के बाद आईएएस अफसरों की संपत्ति का विवरण जारी किया गया है। इसमें खास बात यह है कि सचिव रैंक के दो और डीसी रैंक के 11 अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं है। अब तक 142 अफसरों ने कार्मिक को संपत्ति का ब्यौरा सौंपा है। अफसरों की धन संपत्ति देश के कोने-कोने में है। गिरिडीह, धनबाद, बोकारो सहित 11 डीसी रैंक के अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं है। इनमें नमन प्रियेश लकड़ा, माधवी मिश्रा, विजया जाधव, नारायण राव, अंजली यादव, अनन्य मित्तल, वरूण रंजन, नैंसी सहाय, भोर सिंह यादव, आदित्य कुमार आनंद, नेहा अरोड़ा और अबु इमरान शामिल हैं। वहीं सचिव रैंक के दो अफसर के श्रीनिवासन और राजेश सिंह के पास भी कोई संपत्ति नहीं है।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में मामा-भांजा सहित तीन की मौत

करीब 17 जिलों में अधिकतम

तापमान 40 डिग्री के पार रहा।

राजधानी रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्र में दो दुर्घटना में रविवार को तीन लोगों की मौत हो गई। पहला सड़क दुर्घटना मांडर थाना क्षेत्र हातमा जंगल में हुई। सड़क दुर्घटना में मामा-भांजा की मौत हो गई है। दोनों कार से अपने एक रिश्तेदार के यहां सगाई में जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना घटी । सालीस अंसारी(26) और मंसूर आलम (26) की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रांची के मांडर थाना क्षेत्र के कंजिया के रहने वाले सालीस अंसारी(26) और बुढ़मू निवास मंसूर आलम सहित चार लोग रविवार को अपनी कार से बुढ़मू के लिए निकले थे। बुढ़मू में सभी को एक रिश्तेदार के यहां सगाई के कार्यक्रम में शामिल होना था। मंसूर आलम चला रहा था। इसी दौरान मांडर के हातमा जंगल के

अब स्कूल की दीवारों पर होगी शिक्षकों की पूरी जानकारी



पास तीखे मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई और कार एक पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में दो लोगों मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में बैठे अन्य दो लोग भी घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों की सहायता से मांडर पलिस ने घायलों को अस्पताल भेजवा दिया। मांडर थाना प्रभारी राहुल ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों शख्स

रिश्ते में मामा- भांजा थे। घायलों का स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज कर रिम्स भेज दिया गया है। वहीं दूसरी और रविवार की सुबह पिठोरिया घाटी में एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक सवार स्टंट कर रहा था। इसी दौरान रारहा के समीप बाइक सवार ने टर्बी ट्रक में टक्कर मार दी इसमें बाइक सवार यवक मरूम गांव निवासी निखिल उरांव (19) की मौके पर मौत हो गयी।

19 जून से शहर से गांव तक चलेगा नशा विरोधी अभियान

PHOTON NEWS RANCHI:

राज्य सरकार ने नशा विरोधी अभियान की कार्ययोजना तैयार कर ली है. गह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने इसकी कार्ययोजना तैयार की है। यह अभियान परे प्रदेश में 19 से 26 जून तक चलेगा। इस अभियान के तहत लोगों से नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करने और इसे छोडने की अपील की जाएगी। इस अभियान के लिए कई विभागों को भी जिम्मेवारी सौंपी गई है। इस अभियान में आम लोगों की भी सहभागिता होगी। इस अभियान के तहत गांव-



शहर, स्कूल, पर्यटन स्थल से लेकर वन क्षेत्र तक की आबादी को कवर किया जाएगा। महिला बाल विकास विभाग की इसमें अहम भूमिका होगी। 11 जून तक इस कार्यक्रम के लिए संबंधित विभागों व जिला को प्रचार सामग्री उपलब्ध करा दिया जायेगा। सूचना जनसंपर्क विभाग भी 11 जून तक एवी. रेडियो जिंगल्स. शार्ट फिल्म, पोस्टर, पंपलेट्स इत्यादि उपलब्ध करायेगा।

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड के सभी सरकारी स्कलों के विद्यालयों की दीवारों पर शिक्षकों की परी जानकारी होगी। इसके लिए सभी जिलों के डीईओ-डीएसई को स्कूलों की दीवारों पर इसे लिखवाने का निर्देश दिया गया है। झारखंड शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद के निदेशक आदित्य रंजन ने सभी डीईओ-डीएसई को निर्देश दिया कि स्कूल की दीवार पर शिक्षकों के नाम, मोबाइल नंबर और विद्यालय का नाम लिखा जाएगा। इसके साथ ही माई स्कूल-माई प्राइड में अभिवादन

जाएगा कि शिविर में प्रखंड के सभी

दिव्यांग बच्चे जिन्हें उपर्युक्त

सहायक उपकरणों की आवश्यकता



करते स्कूल ड्रेस में दो बच्चों की तस्वीर होगी। वहीं, स्कूल के विभिन्न क्लास या भवन का नाम महापुरुषों व वैज्ञानिकों के नाम पर होगा। आदर्श विद्यार्थी के गुण, आदर्श शिक्षक के गुण, विभिन्न

हाउस के पद धारक का नाम, बाल संसद के पद धारकों के नाम व कार्य, आदर्श वर्ग कक्ष की तस्वीर और डिस्प्ले की परी जानकारी देंगे। किचेन शेड के बाहर हर दिन का मेनू और माता समिति के सदस्यों

कक्षा केजी से १२वीं तक बदला स्कूल का समय

झारखंड के सभी स्कूलों के संचालन का समय बदल गया है. इसका आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के संयुक्त सचिव नंदिकशोर लाल के हस्ताक्षर से रविवार को जारी किया गया. आदेश फिलहाल १५ जून, २०२४ तक प्रभावी रहेगा. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है. जारी आदेश में कहा गया है राज्य में गर्मी के प्रभाव को देखते सभी कोटि के विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा 12 तक की कक्षाएं 15 जून, 2024 तक सुबह 7 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक संचालित की जायेंगी. उक्त अविध के उपरांत सभी कक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय पर संचालित होंगी. निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे.

के नाम भी अंकित होंगे। इसके अलावा इको क्लब, स्पोटर्स क्लब समेत अन्य क्लब के सदस्यों के नाम भी लिखे जाएंगे। स्कूली बच्चों को मिलने वाली पोशाक, किताब, स्कल किट की जानकारी

दी जाएगी। वहीं, हाथ धोने के तरीके की भी परी जानकारी रहेगी। पुलिस, एंबुलेंस, अग्निशमन, चाइल्ड हेल्प लाइन समेत जिले के पदाधिकारियों के भी नंबर स्कूलों में अंकित किए जाएंगे।

पदाधिकारियों को दिया गया टास्क, दिव्यांग बच्चों को स्वास्थ जांच कैंप तक लाने की मिली जिम्मेदारी

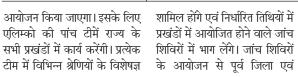
दिव्यांग बच्चों के लिए आज से लगेगा निःशुल्क कैंप

PHOTON NEWS RANCHI:

समावेशी शिक्षा के अंतर्गत संचालित विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरणों की खरीद, फिटिंग के लिए सहायता योजना के तहत वित्तवर्ष 2024-25 के लिए राज्य के सभी प्रखंडों में 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ जांच एवं सहायक उपकरण वितरण कैंप का 10 जून से 05 सितंबर तक आयोजन किया जाएगा। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), भुवनेश्वर के सहयोग से सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों में दिव्यांग बच्चों के लिए जांच शिविर का

12 वर्ष तक के बच्चे दोबारा पा सकते हैं सहायक उपकरण

नि:शुल्क स्वास्थ जांच एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों में 12 वर्ष तक के ऐसे दिव्यांग बच्चे जिन्हें पिछले साल भी सहायक उपकरण मिले थे अथवा उनकी जांच हुई थी, वे दोबारा सहायक उपकरण पाने के योग्य हैं अथवा इस वर्ष वे पुनः नि:शुल्क जांच का लाभ ले सकते हैं। मगर पुन: सहायक सामग्री वितरण का लाभ केवल 12 तक के दिव्यांग बच्चों को ही मिलेगा।





शिविरों में शामिल होने वाले बच्चों को साथ लाने होंगे कुछ दस्तावेज

कैंप में आने वाले बच्चो को अपने साथ दो प्रति फोटोग्राफ दिव्यांगता प्रमाण पत्र की छाया प्रति, बच्चा अथवा उसके माता पिता का आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा दिव्यांगता छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र लाना होगा। यदि किसी बच्चे के पास आय प्रमाण पत्र ना हो तो संबंधित ग्राम प्रधान/मुखिया से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध ना होने की स्थित में विद्यालय के प्रधान शिक्षक, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकृत पदाधिकारी, एलिम्को के प्रतिनिधि तथा सरकारी चिकित्सा पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से बच्चे को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएंगा। कैंप स्थल में काउच बेड एवं व्हील चेयर की व्यवस्था होगी। इस कैंप में श्रवण बाधित बच्चों के लिए ऑडियो मीटर समेत जरूरी सामग्रियों की व्यवस्था सुनिश्चित की

प्रखंड द्वारा यह सुनिश्चित किया है, भाग ले सकें, ताकि इन शिविरों का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को मिल सके।

यह जवाबदेही होगी कि गृह आधारित शिक्षण प्राप्त कर रहे दिव्यांग बच्चों को भी इस जांच शिविर के क्रम में आवशयक सहायक सामग्री उपलब्ध हो सके। जांच/वितरण शिविर पूर्वाह्न 09 बजे से शाम 05 बजे तक लगाया जाएगा। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अथवा सहायक उपकरण वितरण शिविरों की मॉनिटरिंग के लिए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, रिसोर्स शिक्षक, थेरेपिस्ट, बीआरपी, सीआरपी तथा चिन्हित दिव्यांग बच्चों के पोषक क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों, प्रधान शिक्षक, ग्राम शिक्षा समिति के ऊपर जरूरतमंद बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिविरों तक लाने की जिम्मेदारी दी गई है।

भाकपा माओवादी संगठन के कमांडर रवि गंझू अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI: गुमला पुलिस ने भाकपा माओवादी

संगठन के कमांडर रवि गंझु को गिरफ्तार किया। उसके ऊपर झारखंड पुलिस के द्वारा सप्ताह भर पहले ही दस लाख रुपया का इनाम घोषित किया गया था। रवि के अलावा कुंदन खेरवार और पकांडे होनहाना के खिलाफ भी दस लाख रुपया का इनाम घोषित किया गया है। गिरफ्तार नक्सली रवि गंझु चतरा टंडवा क्षेत्र में सक्रिय था। शुक्रवार को अपने दस्ते के साथ गुमला क्षेत्र में पहुंचा था। इस दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिल गई। इसके बाद गुमला पुलिस ने घेराबंदी कर रवि गंझु को दबोचा। हालांकि इस दौरान दस्ता में शामिल अन्य माओवादी भागने में सफल रहे। गुमला में पिछले साल माओवादियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान

 हफ्ताभर पहले रवि पर हुआ था दस लाख का इनाम घोषित 🗕 दस्ता में शामिल अन्य सदस्य

भागने में रहे सफल



मुठभेड़ हुई थी। जिसमें पांच लाख रुपये का इनामी माओवादी कमांडर लाजिम अंसारी और जोनल कमांडर बुद्धेश्वर उरांव को मार गिराया गया था। उसके बाद गुमला में माओवादी बैकफुट पर आ गए थे। हालांकि रविंद्र गंजु का दास्ता क्षेत्र में सक्रिय होकर बीच-बीच में छिटपुट घटनाओं को अंजाम दे रहा था।

शहरनामा





मन में फूट रहे थे लड्डू

लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व बीत गया। कड़ी मेहनत के बाद जब फल खाने की बारी आई, तो उससे पहले हल्ला-पोल आ गया। उसे देखकर फुल वाले फुले नहीं समा रहे थे, तो पंजा-तीर वालों के मन में भी लड्डू फूट रहे थे। मजे की बात यह रही कि मन ही मन सभी गदगद थे, लेकिन पब्लिक में लड्डू कोई नहीं बांट रहा था। दूसरे दिन जब कारू का खजाना खुला तो सबने लड्डू बंटे।

कील-खूंटी कैसे होगा दुरुस्त

इस बार का चुनाव पिछले दो चुनावों से काफी अलग रहा। इस बार इसने मजबूत कील-खूंटी वालों को जमीन पर पटक दिया। एक मोहतरमा दलबदल कर गंगा पार करने की जुगत में थीं, लेकिन जनता ने बता दिया कि वे बंधुआ मजदूर नहीं हैं। उन्होंने तीर-कमान के प्रति निष्ठावान मैडम को हस्तिनापुर

घटनास्थल पर जायजा लेने पहुंचे पुलिसकर्मी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ADITYAPUR:

सरायकेला-खरसावां जिला स्थित

आदित्यपुर थाना अंतर्गत गम्हरिया में प्रेमिका के भाई ने युवक को

चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसे तत्काल टीएमएच ले

जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने

देखते ही मृत घोषित कर दिया।

घटना सतबहनी के जमालपुर की

है। मृत 18 वर्षीय युवक का नाम

कुलदीप ठाकुर बताया जाता है,

जो गम्हरिया के बलरामपुर का

रहने वाला है। मिली जानकारी के

अनुसार कुलदीप का सतबहनी की

एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा

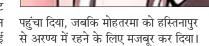
था। डेढ़ साल पहले दोनों के बीच

अनबन हो गई थी, जिसके बाद

दोनों अलग रह रहे थे। रविवार को

प्रेमिका के घर वालों ने बातचीत

के लिए प्रेमी और उसके परिजनों



गिफ्ट से मिल जाएगा टिकट

लोकतंत्र के पर्व में कोई मेहनत करके अपनी टिकट पक्की करना चाहता है, तो कोई बयानवीर बनकर नाम कमाना चाहता है। अभी पता चला है कि गिफ्ट बांट कर भी टिकट पाने की जुगत लगाई गई है। महंगी कार व बेशकीमती घड़ी भेंट कर एक नेता ने बड़े आका से एक अदद टिकट की गुहार लगाई है। देखने वाली बात होगी कि गिफ्ट से टिकट मिलता है कि नहीं। तब तक पानी बांटते रहेंगे, यह तय है।

माटी से बडी पार्टी नहीं

यह जुमला अपने शहर के एक प्रख्यात नेताजी अक्सर कहते हैं, लेकिन इसे चरितार्थ करके दूसरे नेता ने दिखा दिया है। बताते हैं कि इस बार उन्हें रणक्षेत्र में घोड़ी चढ़ाने के लिए सहयोगी दल के दुल्हे ने मोटा माल दिया था। लेकिन दाढ़ी वाले नेता ने उसे माटी यानी समाज के लिए बचा लिया। यही नहीं, दाढ़ी वाले नेता ने धुर विरोधी दल के नेता से भी माल पकड़ लिया। उसे भी माटी के लिए

जमशेदपुर के इब्तेशाम को ऑल इंडिया 696वां तो दिव्यांशु को ८४८वां रैंक

JAMSHEDPUR : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से रविवार को जेईई एडवांस्ड का रिजल्ट जारी

कर दिया गया।



है। इस परीक्षा में इब्तेशाम अहमद जमशेदपुर स्थित

टेल्को के इब्तेशाम अहमद को ऑल इंडिया 696 वां रैंक मिला है। उसका सपना कंप्यटर साइंस लेना है। इब्तेशाम विद्या भारती चिन्मया विद्यालय टेल्को का छात्र रहा है। घर में छह घंटे तक नियमित पढ़ाई कर सफलता हासिल की है। इब्तेशाम ने कहा कि उसने शुरू से के ही इस परीक्षा एनसीइआरटी की किताबों को फॉलो किया। कठिन परीक्षा को पास करने के लिए अधिक से अधिक मॉक टेस्ट जरूरी है।

डीबीएमएस के दिव्यांशु दास को ८४८वां रैंक

जेईई एडवांस्ड में शहर के दिव्यांशु दास को ऑल इंडिया ८४८वां रैंक प्राप्त हुआ है। वह अपनी इस सफलता से बेहद खुश है। दिव्यांशु ने बताया कि कंप्यूटर साइंस ब्रांच उसकी पहली पसंद हैं। जहां तक आईआईटी की बात हैं तो देश के टॉप 5 आईआईटी में से किसी में भी दाखिला इस ब्रांच में मिलना बड़ी बात होगी। इस सफलता के बारे में बताते हुए उसने कहा कि इस परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी। इसका परिणाम हुआ कि मेंस में ऑलइंडिया 817वां तो एडवांस्ड में 848वां रैंक मिला। उसने कहा कि आईआईटी में दाखिला लेना मेरा सपना था जो अब पूरा होने जा रहा है। दिव्यांशू डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल का छात्र रहा हैं और उसके पिता सुब्रत कुमार दास टाटा स्टील में काम करते हैं।

अहमद और मां डॉ. जिकया सितारा दोनों टाटा मोटर्स में डॉक्टर हैं। इब्तेशाम के माता पिता दोनों

समाचार सार

टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेन 12 को रद्द JAMSHEDPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के चक्रधरपुर डिवीजन में

विकास कार्यों के मद्देनजर 12 जून को टाटानगर से होकर चलने वाली कई ट्रेन प्रभावित रहेगी। टाटानगर से चलने वाली टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस और टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 12262 हावड़ा-सीएसएमटी मुंबई दुरंतो को 12 जून को शाम 05.45 बजे के बजाय रात 12.45 बजे हावड़ा से रवाना होगी। वहीं 4 ट्रेन शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

यह ट्रेन रहेगी रद्द

- ●18109/18110 टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस
- •18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस

यह ट्रेन रहेगी शॉर्ट टर्मिनेट

- 12871 हावडा-टिटलागढ इस्पात एक्सप्रेस चक्रधरपर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यह रैक ट्रेन नंबर 22862 बनकर चक्रधरपुर से हावड़ा तक पैसेंजर स्पेशल के रूप में चलेगी।
- ●22862 कांटाबांजी-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस झारसुगुड़ा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। वहीं यह रैक ट्रेन नंबर 12871 के रूप में झारसुगुड़ा से टिटलागढ़ तक पैसेंजर स्पेशल के रूप में चलेगी।
- ●13288 आरा-दुर्ग एक्सप्रेस जो 11 जून को चलेगी राउरकेला में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। 12 जून को यहीं रैक ट्रेन नंबर -13287 बनकर राउरकेला से आरा तक चलेगी। 13288/13287 एक्सप्रेस की सेवा राउरकेला-दुर्ग-राउरकेला के बीच रद्द रहेगी।
- 20836/20835 पुरी-राउरकेला-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस झारसुगुड़ा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। 20836/20835 एक्सप्रेस की सेवा झारसुगुड़ा -राउरकेला - झारसुगुड़ा के बीच रद्द रहेगी।

भाजपा कार्यकताओं ने बांटे लड्डू, हुई आतिशबाजी

JAMSHEDPUR : केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने की खशी में जमशेदपुर में जगह-जगह



महानगर की ओर से भव्य आतिशबाजी कर आमजनों के बीच लड्ड का वितरण किया गया। रविवार को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय पर सैकड़ों की संख्या में जुटे भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने भाजपा जिंदाबादङ्घ के नारे लगाए। कार्यकर्ता सिंगबाजा व डीजे की धुन पर जमकर थिरके। इस दौरान हाथों में भाजपा का ध्वज लिए कार्यकताओं ने हर्ष जताते हुए एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी।

कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर बरामद, मामला दर्ज

POTKA: पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना क्षेत्र में 6 जून को ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से मिट्टी में दबकर 8

वर्षीय मासुम की मौत हो गई थी। उस दौरान चालक ट्रैक्टर लेकर भाग गया था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को कोवाली थाना के सामने बच्चे का शव रखकर प्रदर्शन भी किया था। इसी के मद्देनजर थाना



प्रभारी द्वारा लगातार तीन दिनों तक छापामारी की गई। छापेमारी के दौरान गालुडीह के चांदनी चौक से शनिवार की रात 2 बजे ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इस मामले में ट्रैक्टर मालिक एवं ड्राइवर समेत चार लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

ओडिशा के सीएम का शपथ ग्रहण 12 को

ROURKELA: ओडिशा के नए मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण की तारीख बदल दी गई है। ओडिशा के नए मुख्यमंत्री पहले 11 को शपथ ग्रहण करने वाले थे लेकिन अब शपथ ग्रहण समारोह 12 जून को होगा। नया मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर अभी भी संशय है।

रज राजकुमारी प्रतियोगिता का ग्रैंड फाइनल 17 को

ROURKELA: गरिमा संस्था के द्वारा राउरकेला में रज कार्यक्रम राउरकेला क्लब में आयोजित होगा। इसके लिए रज राजकमारी ऑडिशन शरू हो गए हैं। इसमें राउरकेला की 14 से 22 साल की लड़िकयां शामिल हुई हैं। सजावट, डांस, क्विज, पची खेल, पोडापिठा आदि प्रतियोगिता भी शुरू हो गयी है।17 तारीख को ग्रैंड फाइनल होगा।

श्रमिकों को समझौते के मुताबिक सुविधाएं मिलीं

ROURKELA: सीटू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विष्णु महंती ने बोर्ड की बैठक के बाद रविवार को आईएसपी में मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव पर सीटू ने मंजूरी दे दी है। 7 साल के लम्बे समय के बाद भी एनजीसीएस समझौता नहीं हो सका। ऐतिहासिक हड़ताल के बाद अधिकारियों को 15% एमजीबी और 35% पर्क मिला, जबकि इस्पात श्रमिकों ने बहमत के आधार पर 13% एमजीबी और 22.5% पर्क पर हस्ताक्षर किए। श्रमिकों को समझौते के अनुरूप सुविधाएं मिली हैं।

फदलोगोडा में लगाई छबील, बांटे चना-शर्बत

JAMSHEDPUR : सिखों के पांचवे गुरु अर्जन देव की शहादत पर रविवार को टाटा-रांची राष्ट्रीय उच्चपथ-33 पर फदलोगोड़ा में छबील लगाई गई। इस दौरान राहगीरों व ट्रक चालकों को चना-शर्बत बांटा गया। शिविर को सफल बनाने



में चंचल भाटिया, रविंदर सिंह, मनजोत सिंह, सुखराज सिंह, चांद सिंह विल्खू, मनमीत कौर, अमरदीप कौर, बेबी कौर आदि का सहयोग रहा।

प्रेमिका के भाई ने युवक पर चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला, मौत बिष्टुपुर में परशुराम जयंती पर ब्राह्मणों ने दिखाई एकजुटता

गोपाल मैदान में इंदु सोनाली व चंदन तिवारी के गीतों पर खूब झूमे शहरवासी



बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में जुटे ब्राह्मण व मंचस्थ अतिथि

घायल हो गया। इधर अचानक हुए **PHOTON NEWS JSR:** हमले के बाद कुलदीप के परिवार भगवान श्री परशुराम का वाले भी घबरा गए और आनन-जन्मोत्सव रविवार को बिष्टुपुर फानन में कुलदीप को लेकर स्थित गोपाल (रीगल) मैदान में टीएमएच पहुंचे, जहां चिकित्सकों हुआ, जिसमें शहर व आसपास से ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर काफी संख्या में ब्राह्मण जुटे। सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव की पुलिस मौके पर पहुंची और समिति की ओर से आयोजित मामलें की तफ्तीश में जुट गई है। कार्यक्रम में पारिवारिक मिलन में घटना के बाद इलाके में सनसनी सपरिवार शामिल होकर ब्राह्मणों ने

कार्यक्रम की शुरूआत धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ के 101 पुरोहितों द्वारा सामृहिक स्वस्ति वाचन एवं भगवान परशुराम की पुष्पांजलि सह आरती से की गई। इसी क्रम में दिव्येंदु त्रिपाठी भगवान परशुराम पर व्याख्यान दिया।

वहीं, सांस्कृतिक संध्या में भोजपरी की प्रख्यात गायिका इंदु सोनाली एवं गायिका चंदन तिवारी ने अपनी

हथियार के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भोजपुरी के पारंपरिक लोकगीतों से समां बांध दिया। इनके गानों पर गोपाल मैदान में उपस्थित शहरवासी देर शाम तक झुमते रहे। आयोजन में रहे सक्रिय : परशुराम जन्मोत्सव समारोह को सफल बनाने में समिति के संस्थापक सह आयोजन के मुख्य संयोजक सेवानिवृत्त डीएसपी कमल किशोर, राकेश्वर पांडेय,

टीम के साथ भक्तिमय भजन व मानस मिश्रा, नकुल तिवारी, मुन्ना चौबे, ओमप्रकाश श्रीनिवास तिवारी, उपाध्याय, हरेंद्र मिश्रा, राजेश झा, रविंद्र मिश्रा, धनुर्धर त्रिपाठी, अप्पू आनंदजी अधिवक्ता पवन तिवारी, विजय तिवारी, छोटन मिश्रा, अरविंद रविशंकर संजीव आचार्या सहित अन्य

• फोटोन न्यूज

बमार्माइंस में सड़क जाम से



JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना की पुलिस ने हथियार के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सरायकेलाझखरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र के आसंगी निवासी विजय प्रधान और प्रद्युमन प्रधान शामिल है।

आरोपियों के पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल और चार गोली बरामद किया है। मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोहरदा के पास कार को रोककर तलाशी ली। कार से

की कौन कहे, बाइक सवारों तक **PHOTON NEWS JSR:** भीषण गर्मी में बमार्माइंस की सड़क पर रविवार को दोपहर करीब 12 बजे भारी जाम लग गया, जिसे राहगीर घंटों हलकान रहे। देखते ही देखते कई किलोमीटर तक जाम लग गया, जिससे बमार्माइंस सहित

साकची, नीलडीह, गोलमुरी जाने वाली सड़कों पर बेतरतीब तरीके से छोटे-बड़े वाहन खड़े रहे। सबसे ज्यादा परेशानी ट्रक-ट्रेलर को लेकर रही, जिनकी वजह से कारों

को रास्ता नहीं मिल रहा था। समाजसेवी करनदीप सिंह ने बताया की राहगीरों को मिनटों का सफर तय करने में घंटों का समय लगा। काफी देर तक ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता नहीं दिखी। बमार्माइंस की सडकों पर आए दिन जाम की समस्या देखने को मिलती है। एंबुलेंस भी फंसी: रविवार के दिन बमार्माइंस में जाम के दौरान

एंबुलेंस भी फंसी थी। अवैध वसूली बंद होने

से बौखलाहट : भाजमो JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित

सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर होने वाले निर्माण के विरोध में सूर्य मंदिर समिति के प्रतिनिधि शनिवार को उपायुक्त से मिले थे। इस पर भारतीय जनतंत्र युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शर्मा ने कहा कि जबसे जिला प्रशासन ने शंख मैदान पार्क और चिल्डेन पार्क में प्रवेश करने वाले वयस्कों और बच्चों से सूर्य मंदिर समिति द्वारा की जा रही अवैध वसूली बंद करा दी है, तभी से सूर्य मंदिर समिति के लोग बौखलाहट में हैं। यही लोग विधायक निधि से हो रहे पार्क के सुंदरीकरण कार्य में विगत आठ महीनों से बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। इसी तरह इस समिति के सदस्यों ने बैंक ऑफ बड़ौदा के भुइयांडीह शाखा में सोन मंडप के नाम से फर्जी खाता खोल लिया था और विभिन्न कार्यक्रमों के लिये सोन मंडप तथा यात्री निवास की बिकंग से हो रही आमदनी, जो जेएनएसी के खाते में जमा होनी चाहिए थी, को वर्षों से इस फर्जी बैंक खाता में जमा कर रहे थे। विधायक सरयू राय द्वारा इस अवैध कमाई का भंडोंफोड़ करने के बाद दो बैंक डाफ्टों के माध्यम से अवैध खाता मे जमा शेष के करीब १५ लाख रुपए इन्हे

जेएनएसी को लौटाना पड़ा। इससे

इनकी बौखलाहट और बढ़ गई है।

कवयित्री वीणा कुमारी 'नंदिनी' की दो पुस्तकें हुई लोकार्पित



पुस्तक का विमोचन करते साहित्यकार • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य

सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा संस्थान में रविवार को नगर की कवयित्री वीणा कुमारी 'नंदिनी' की दो पुस्तकें 'भाव नंदिनी' (दोहा संग्रह) तथा 'साहित्य नंदिनी' (छंद संग्रह) का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका तथा संचालन साहित्य समिति के उपाध्यक्ष कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी' ने की। कार्यक्रम में

अतिथियों का स्वागत संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने किया। समारोह में अरुण कुमार तिवारी, यमुना तिवारी 'व्यथित', डॉ. अजय कुमार ओझा, अशोक पाठक स्नेही, नीता सागर चौधरी, सुरेश चंद्र झा, सुस्मिता सलिलात्मजा, ममता कर्ण, शीतल प्रसाद दुबे, वसंत जमशेदपरी. जयश्री शिव कुमार, कन्हैया लाल अग्रवाल, डॉ. संजय पाठक 'सनेही' आदि उपस्थित रहे।

आये विद्वानों, साहित्यकारों एवं

तीन तस्करों को ९३ किग्रा गांजा के साथ चाईबासा पुलिस ने किया गिरफ्तार

को बुलाया था, जिसमें कुलदीप और उसकी मां एवं परिवार के

अन्य सदस्य भी पहुंचे थे। इस

बीच प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी

और उसके परिवार वालों पर

प्रेमिका के भाई ने कुलदीप पर

चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर

दिया, जिसमें कुलदीप बुरी तरह

• बिहार के तीन गांजा तस्करों में एक ५० वर्षीय ममता देवी नामक महिला तस्कर भी थी शामिल

PHOTON NEWS CHAIBASA: चाईबासा पलिस ने महिला समेत तीन गांजा तस्करों को 93 किलो ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि झींकपानी थाना क्षेत्र होते हुए चाईबासा की ओर एक सफेद रंग के वाहन से चार-पांच की संख्या में गांजा तस्कर बड़ी मात्रा में गांजा लेकर आ रहे हैं। इसमें एक महिला भी शामिल है। सचना के बाद पलिस अधीक्षक ने मुख्यालय डीएसपी शिवेन्द्र के नेतृत्व में छापामारी दल कर गठन किये। छापामारी टीम झींकपानी

जमशेदपुर में स्कूल खोलेगा

डॉ.आरन शर्मा को मिला

PHOTON NEWS JSR:

लायंस क्लब-विवेक चौधरी

लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना

गुप्ता ने कहा कि टाटा साहब के

सपनों के शहर जमशेदपुर को

और समृद्ध बनाने के लिए ग्रेटर

जमशेदपुर बनाना होगा। झारखंड

सरकार की कोशिश है कि

चांडिल, सरायकेला और

घाटशिला को मिलाकर जमशेदपुर

को ग्रेटर जमशेदपुर बनाया जाए,

ताकि इसका समुचित विकास हो

सके। गुप्ता रविवार को बिष्टुपुर

स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम

में आयोजित लायंस क्लब के

डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी को



स्वास्थ्य मंत्री को लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर सेंटेनरी का बनाया गया मानद सदस्य

घटना की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

डॉ. आरएन शर्मा को सम्मानित करते स्वास्थ्य मंत्री बल्ला गुप्ता

संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जमशेदपुर के

विकास को लेकर हमें और गंभीर

होना होगा। उन्हें खुशी है कि

मानगो में 471 करोड़ की लागत

से बन रहे मानगो फ्लाईओवर का

काम चालू हो गया है। जब

उन्होंने इस फ्लाई ओवर को

बनाने का प्रस्ताव दिया था तो

लोगों ने कहा कि यह कैसे संभव

थाना के ग्राम टुटुगुटू पुलिया के पास बेरिकेट लगाकर उक्त गाड़ी के आने का इंतजार करने लगी। जैसे ही उक्त सफेद रंग का गाड़ी बेरिकेट के पास पहुंचा तो छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मियों द्वारा सफेद रंग की चार चक्का वाहन को चारों तरफ से घेराबंदी कर अपने कब्जे में ले

में पैक कर रखा हुआ था।

लिये। जिसके बाद पलिस पदाधिकारियों के द्वारा विधिवत गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर बने बाक्स में छिपा कर रखे एवं गाड़ी के डीक्की से 93 पैकेट प्लास्टिक के टेप से पैकिंग किया हुआ गांजा बरामद किया गया। उन पैकेट को बोरे में बांधकर पॉलीथिन

हथियार बरामद किया गया।

ग्रेटर जमशेदपुर में चांडिल, सरायकेला व घाटशिला भी हो शामिल : बन्ना जमशेदपुर में स्कूल

2022-23 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विवेक चौधरी ने लायंस क्लब के स्थायी प्रोजेक्ट पर जोर दिया। उन्होने कहा कि उनकी कोशिश है कि लायंस की ओर से जमशेदपुर में एक स्कूल का संचालन हो। हम इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। साथ ही लायंस की ओर से क्लॉक टॉवर लगाने की बात कही। उन्होंने मंत्री बन्ना गुप्ता को लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर सेंटेनरी का मानद सदस्य बनाने की घोषणा की और कहा कि उम्मीद है कि वे लायंस से जुड़कर हमें अपना

डॉ. आरएन शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

इसके पहले स्वागत भाषण देते हुए

इस मौके पर बिहार-झारखंड के 95 क्लबों के 300 से ज्यादा पदाधिकारियों को सम्मान किया गया। विशेष पुरस्कारों में डॉ. आरएन शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। इनके अलावा राहुल वर्मा, माधव लाखोटिया, विनीता शाह, राजेश कसेरा, पुष्पा सिंह, मंजू रानी सिंह, सुचित्रा रूंगटा, मोहित शाह और सिद्धार्थ खंडेलवाल को स्पेशल अवार्ड दिया गया। मौके पर लायंस डिस्ट्रिक्ट की फर्स्ट लेडी श्री चौधरी के साथ ही बिहार-झारखंड के 95 क्लबों के

मार्गदर्शन देते रहेंगे। प्रतिनिधि मौजूद थे।

करोड़ की लागत से एमजीएम का नया हॉस्पिटल बन रहा है। सच्चाई यह है कि उनकी कोशिश के चलते ये काम हो रहे हैं। जमशेदपुर में दो-दो मुख्यमंत्री रहे, मगर विकास का ऐसा काम नहीं

हो सकता है, लेकिन आज

फ्लाईओवर का काम तेजी से

रहा है। यही नहीं 434

खोलेगा लायंस क्लबः विवेक चौधरी

यायावरी मोजपुरी महोत्सव में सिर चढ़कर बोली वेब सीरीज 'पंचायत' के कलाकार अशोक पाठक की लोकप्रियता

चुनौटिया भुलाता बहुत है ना भैया... पर बजीं तालियां















GORAKHPUR:

गोरखपुर के गोकुल अतिथि भवन में आयोजित यायावरी भोजपुरी महोत्सव का छठा सत्र बेहद खास रहा। इस दौरान 'पंचायत' वेब सीरीज फेम अशोक पाठक मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे। कार्यक्रम के दौरान अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों की मांग पर पंचायत के अलग-अलग वेब सीरीज में अपने चर्चित डायलॉग लोगों को सुनाए। पंचायत वेब सीरीज के दौरान सर्वाधिक वायरल हुआ उनका डायलॉग 'चुनौटिया भुलाता बहुत है ना भैया...' पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। इसके अलावा पंचायत-3 में सचिवालय का ताला खोलने के लिए सचिव को हथौड़ी देने से संबंधित उनके डायलॉग ने भी जमकर तालियां बटोरीं।

साझा कीं अपनी जीवन यात्रा की याढें

कार्यक्रम के दौरान पछे गए सवाल के जवाब में अशोक पाठक ने बताया कि उनका बिहार और हरियाणा से एक समान लगाव है। दोनों ही राज्यों का उन पर समान अधिकार है। उन्होंने अपने कॅरियर के बारे में बताते हुए पंजाबी फिल्मों में किए

गए अभिनय के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इसके अलावा अपने पठान पाठक की यात्रा के बारे में भी

हिंदी उच्चारण के कारण नहीं मिली थी नौकरी

घर-घर ओटीटी चैनलों के जरिए लोगों के दिलों में अलग जगह बनाने वाले अशोक पाठक का जीवन काफी संघर्षमय रहा है। बातचीत के दौरान उन्होंने इससे संबंधित कई बातें काफी सहज तरीके से साझा कीं। यह भी जिक्र किया कि कैसे उन्हें अपने कॅरियर की पहली नौकरी के साक्षात्कार में हिंदी का शुद्ध उच्चारण न कर पाने के कारण छांट दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह पढ़ाई में कभी बहुत बेहतर नहीं थे।

दादाजी बजाते थे ढोलक, खुद बनना चाहता था गायक

अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए अशोक पाठक ने बताया कि उनके दादाजी बहुत अच्छा ढोलक बजाते

थे। वह (अशोक पाठक) गायिकी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहते थे। लेकिन आगे चलकर उन्हें पता चला कि उनकी आवाज उतनी अच्छी नहीं है। इसके बाद उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा।

मनोज बाजपेई और पंकज त्रिपाठी के बारे में यह कहा

फिल्मी दुनिया में भोजपुरी से लेकर हिंदी फिल्मों और तमाम वेब सीरीज में बिहार के कलाकार अपनी अभिनय कला का लोहा मनवा रहे हैं। अशोक पाठक ने अपने सत्र के दौरान बातचीत में मनोज बाजपेई और पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की। अलग-अलग फिल्मों में दोनों अभिनेताओं के अभिनय को उन्होंने आदर्श बताया।

बॉलीवुड को समर्पित रहा छठा सत्र

यायावरी भोजपरी महोत्सव 2024 के छठे सत्र का विषय 'भोजपरिया खाद से फलत-फुलात बॉलीवुड' रहा। इसमें डॉ. एम के पांडेय ने 'पंचायत' फेम अशोक पाठक से बातचीत की। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री में भोजपुरी अभिनेताओं और कलाकारों की उपस्थिति को लेकर विस्तार से

भोजपुरी के पहले साइंस फिक्शन का प्रदर्शन

इस महोत्सव में यह बात भी उभरकर आई कि भोजपरी फिल्म इंडस्ट्री केवल नाच-गाने और धूम-धड़ाम तक सीमित नहीं है। अब इस भाषा में तकनीक का प्रयोग कर फिल्में बन रही हैं जो रियलिटी के करीब लगती हैं। इस महोत्सव के सातवें सत्र में भोजपुरी की पहली साइंस फिक्शन फिल्म ह्यमद्धिमह्न का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म को खूब सराहा गया।

सांस्कृतिक पारंपरिक कार्यक्रमों के नाम रहा अंतिम सत्र

महोत्सव का अंतिम सत्र सांस्कृतिक संध्या को समर्पित रहा। इस दौरान मंच पर भोजपरी की पारंपरिक कला के दर्शन हए। इसमें राकेश कमार का लौंडा डांस, सिसोदिया सिस्टर्स, शालिनी दुबे, आदित्य राजन और अनन्या सिंह का गायन आकर्षण के केंद्र रहे। महोत्सव के आयोजन समन्वयक गौरव मणि त्रिपाठी ने बताया कि महोत्सव में आए लोगों ने हमें खुब स्नेह एवं प्रेम दिया।

















उमंग और उल्लास का वातावरण

है। धर्म संस्कृति के मामले में भी

भारत का मन हीन भाव में था।

आयातित सेकुलर पंथ का

नीट की नीयत में खोट!

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। ठीक हमारे स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी की तरह, लेकिन इन क्षेत्रों में पेपर लीक होते हैं। इस बार 67 छात्रों ने 720 अंक हासिल किए, यह पूरी तरह असंभव है। पिछले साल तीन छात्रों ने 720 अंक हासिल किए थे। इस परीक्षा में कथित तौर पर गड़बड़ियों को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की हैं। आईएमए जुनियर डॉक्टर्स ने आज ही राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप कमार जोशी को पत्र लिख कर सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पुनः परीक्षा का भी अनुरोध किया। क्या यह देश का सबसे बड़ा परीक्षा घोटाला है? छह छात्रों के सीट नंबर एक ही क्रम से हैं। दो छात्रों ने 718 और 719 अंक हासिल किए हैं, यह पूरी तरह असंभव है। नीट परीक्षा में 180 प्रश्न होते हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार अंक होते हैं। यदि कोई एक प्रश्न गलत करता है तो उसके अंक 715 और 716 के आसपास होने चाहिए। यह पूरी तरह से घोटाला है लेकिन नीट इसे नजरअंदाज करने जा रही है? सीरियल नंबर 62 से 69 तक के छात्रों के लिए केंद्र कोड एक ही है। नीट 2024 में ग्रेस मार्क्स एक और घोटाला है। क्या सभी टॉपर परीक्षा देने के लिए एक ही केंद्र पर जाते हैं? दाल में कुछ काला और पूरी दाल ही काली है ? हर छात्र को निष्पक्ष मौका मिलना चाहिए, कट-ऑफ में यह भारी वृद्धि स्पष्ट रूप से बड़े पैमाने पर पेपर लीक का संकेत देती है। एनटीए द्वारा सबसे अधिक संभावना एक बड़ी प्रोग्रामिंग त्रुटि है जिसमें उन्होंने ओएमआर प्रतिक्रिया पत्रक के आधार पर अंकों का गलत मुल्यांकन किया है। छात्र 718, 719 अंक प्राप्त नहीं कर सकते हैं। पर्ण अंक 720 हैं। प्रत्येक सही के लिए, आपको 4 मिलता है और प्रत्येक गलत के लिए आपको -1 मिलता है। इसलिए, यदि कोई छात्र- सभी 180 प्रश्न सही करता है, तो उसे 720 अंक मिलते हैं जो प्राप्त करने योग्य है। 1 गलत, 179 सही, उसे 715 मिलते हैं। 0 गलत, 179 सही, उसे 716 मिलते हैं तो, 718,719 कैसे प्राप्त किया जा सकता है? ऐसा करने का एकमात्र तरीका यह है कि वे -5 के बजाय प्रत्येक गलत प्रश्न के लिए -1 प्रदान करें। ऐसे में हम भूल रहे हैं कि इस साल नीट में कितना बड़ा घोटाला हुआ है? और आश्चर्य की बात है कि हर कोई इसके बारे में चुप है, सिर्फ इसलिए क्योंकि एनटीए एक विश्वसनीय केंद्रीय एजेंसी है? एक छात्र को 720/720 स्कोर करने के बाद भी एम्स दिल्ली में मौका नहीं मिल रहा है? क्या यह किसी तरह की लापरवाही है ? परिणाम 14 जन के बजाय 4 जन (चनाव परिणाम दिवस) को क्यों घोषित किए गए? कुछ गड़बड़ है, लाखों नीट उम्मीदवार इसका उत्तर चाहते हैं, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यह अपराध है कि एनटीए लाखों छात्रों के करियर के साथ खिलवाड़ कर रहा है। यह बिलकुल स्पष्ट है कि नीट पेपर लीक के कारण विनाशकारी परिणाम सामने आए हैं। और चुनाव नतीजों की शाम को नतीजे जारी करने का यह विचार सिर्फ मामले को दबाने की कोशिश का एक और तरीका है। स्कूल बोर्ड भी इससे अछूते नहीं दिखते। अनुचित साधनों के इस्तेमाल, कदाचार, धोखाधड़ी और पेपर लीक के कारण कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं भी प्रभावित हुईं।लोग यह नहीं समझते कि 2016 में #उइरए द्वारा पेपर लीक और घोटालों के कारण ही पुनः नीट आयोजित किया गया था, इसे 2024 में फिर से क्यों नहीं आयोजित किया जा सकता है? साथ ही एक जगह नहीं, बहुत जगहों पर पेपर लीक हुआ है, 5 मई से पहले पेपर सकुर्लेट हो रहा था टेलीग्राम पर। जिसे एनटीए ने नहीं स्वीकारा। कितने लोगों ने ऑनलाइन ही देख लिया था? उनको कैसे पहचानेंगे पुनर्मूल्यांकन से? हम केवल 700-720 अंक लाने वाले लोगों के घोटालों के बारे में जानते हैं, हम नहीं जानते कि कम अंकों के लिए ऐसी कितनी गलतियाँ हैं ? इस साल परीक्षा पेपर लीक के कई मामलों ने एक बार फिर देश की शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली की नींव हिलाकर रख दी है। सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा, #ठएएळवऋ2024 से लेकर राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं तक, कई परीक्षाओं में गड़बड़ी की गई है, जिससे उन लोगों के लिए निष्पक्षता और न्याय पर एक वैध सवाल खड़ा होता है, जिन्होंने परीक्षा पास करने के लिए किसी भी अनुचित तरीके का सहारा नहीं लिया। लोकसभा में पारित विधेयक में ह्लविभिन्न अनुचित साधनों में लिप्त व्यक्तियों, संगठित समूहों या संस्थाओं को कानुनी रूप से रोकनेह्न का भी प्रावधान है। सार्वजनिक परीक्षा (अनचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 पारित किया, जिसमें इसे गैर-जमानती अपराध घोषित किया गया, जिसके लिए न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम पांच वर्ष कारावास की सजा और 10 लाख रुपये का जुर्माना है।



संकल्प पूरा होने की गारंटी है। यह 🗷 हृदयनारायण दीक्षित कुछ टिप्पणीकार अनुच्छेद ३७० के समाप्त करने में सांप्रदायिक दंगों का खतरा देख रहे थे। लेकिन इस सबकी परवाह न करते हुए मोदी सरकार ने 370 को हटा दिया। यह कार्य एनडीए की सरकार ही कर सकती थी। मोदी जी ने तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को शीर्ष सम्मान दिलाया। संस्कृति के क्षेत्र में इस सरकार के कार्यकाल में तमाम आश्चर्यजनक कार्य हुए हैं। कई मुस्लिम देशों ने भी भारतीय संस्कृति को सम्मान दिया है। संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में राम कथा चली। दबई के तमाम प्रतिष्ठित लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह प्रधानमंत्री ने अबुधाबी में मंदिर का लोकार्पण किया। सेकुलरपंथी मंदिर के नाम पर बेजा टिप्पणियां करते हैं। लेकिन मोदी ने देश की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से समझौता

संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का है। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली। भारत के इतिहास में तीन बार का कार्यकाल केवल नेहरू को मिला था। मोदी जी ने अपने 10 वर्षीय कार्यकाल में तमाम चमत्कारिक काम किए हैं। भारतीय जन गण मन उन्हें प्यार और आदर देता है। उनके नेतृत्व में देश में राष्ट्रीय स्वाभिमान की नई इबारत लिखी गई है। भारतीय संस्कृति सारी दुनिया में लोकप्रिय हुई है। जम्मू-कश्मीर विषयक संविधान के अनुच्छेद 370 का निरसन सारी दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय रहा है। अधिकांश सामाजिक राजनैतिक कार्यकर्ता इसे असम्भव बता रहे थे। कुछ टिप्पणीकार अनुच्छेद 370 के समाप्त करने में सांप्रदायिक दंगों का खतरा देख रहे थे। लेकिन इस सबकी परवाह न करते हुए मोदी सरकार ने 370 को हटा दिया। यह कार्य एनडीए की सरकार ही कर सकती थी। मोदी जी ने तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को शीर्ष सम्मान दिलाया। संस्कृति के क्षेत्र में इस सरकार के कार्यकाल में तमाम आश्चर्यजनक कार्य हए हैं। कई मस्लिम देशों ने भी भारतीय संस्कृति को सम्मान दिया है। संयक्त अरब अमीरात में दुबई में राम कथा चली। दुबई के तमाम प्रतिष्ठित लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह प्रधानमंत्री ने अबुधाबी में मंदिर का लोकार्पण किया। सेकुलरपंथी मंदिर के नाम पर बेजा टिप्पणियां करते हैं। लेकिन मोदी ने देश की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया। करतारपुर साहिब में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा बहाल कराई। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ यात्री अव्यवस्था से पीडित थे।



चीन में होने के कारण इसकी व्यवस्था कठिन थी। मोदी जी के नेतृत्व में कैलाश मानसरोवर की यात्रा आसान हो गई। भारतीय धर्म और संस्कृति की प्रतिबद्धता सांप्रदायिक नहीं है। मंदिर जाना, दर्शन करना भी सांप्रदायिकता नहीं है। मोदी जी की सरकार के समय भारत के प्रत्येक जन के हृदय में उमंग और उल्लास रहा है। किसानों और गरीबों को हर तरह से समृद्ध बनाने के फैसले किए गए। मोदी ने राष्ट्रीय समृद्धि का संकल्प लिया। देश के प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प लिए गए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय ब्रिटिश राजनेता भारत की शासन करने की क्षमता का मजाक उडाते थे। ब्रिटिश विद्वान भारतीय दर्शन को भाववादी बताकर उपहास उड़ाते थे। इंग्लैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री चर्चिल ने कहा था कि, "भारत जाति पंथ में विभाजित समाज है। वे शासन नहीं चला पाएंगे।'' बात-बात में यूरोप की प्रशंसा करने वाले टिप्पणीकार शमिंदी होंगे कि शासन न चला पाने की भारतवासियों की क्षमता वाली बात झुठ निकली। भारत में 78 वर्ष से स्वशासन और सुशासन की धारा का प्रवाह है। हम 18वीं लोकसभा चुन चुके हैं। इस बीच भारत ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में आश्चर्यजनक उन्नति की है। कृषि

दुष्प्रभाव था। राजनैतिक वातावरण भी उत्साहवर्धक नहीं था। अब सब साथ-साथ हैं। परस्पर मैत्री और मिलजुल कर काम करने का वातावरण प्रत्यक्ष है। उन्होंने 'सबका साथ और सबका विकास' नेतृत्व में हुई हरित क्रांति याद किए के नारे को सही सिद्ध कर दिया है। जाने योग्य है। राजग सरकार ने उनके संकल्प में देश का विश्वास मोदी जी के नेतृत्व में स्वामीनाथन है। योग भारत का प्राचीन विज्ञान को भारत रत्न दिया है। भारतीय और दर्शन है। यह विश्व को ज्ञान परंपरा के प्रति सारी दुनिया के भारतीय साधना का अद्वितीय उपहार है। मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में विद्वान आकर्षित होते रहे हैं। इस ज्ञान परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति की योग की मान्यता का प्रस्ताव किया। क्षमता और योग्यता को प्रत्येक दृष्टि मोदी के प्रस्ताव को 170 से ज्यादा से संपन्न बनाने का ध्येय देशों का समर्थन मिला। 21 जून सर्वविदित है। दरअसल पश्चिम से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित आयातित सेकुलर विचार के किया गया। उन्होंने अयोध्या के विद्वानों ने भारतीय परंपरा को श्रीरामजन्मभूमि मंदिर लगातार अपमानित किया है। मोदी शिलान्यास में हिस्सा लिया। श्रीराम जी ने भारत के स्वाभाविक विचार की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में भी वे उपस्थित रहे। प्रवाह को प्रोत्साहन दिया। सांस्कृतिक प्रतीक स्वाभिमान के यह मंदिर राष्ट्र का स्वप्न था। विषय थे और हमेशा रहेंगे। स्वप्न सच हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ केदारनाथ मंदिर में 15 घंटे साधना की। वे हाल ही में कन्याकुमारी में कॉरिडोर के उद्घाटन कार्यक्रम में श्रेष्ठ भारत का स्वप्न रखा। इस विवेकानंद रॉक पर 45 घंटे ध्यानरत रहे। वे भारत के कार्यक्रम से कथित प्रगतिशील सेकलर मोदी पर योजना बनाकर सांस्कृतिक प्रतीकों की प्रतिष्ठा हमलावर हुए। कथित ज्ञानी वर्ग ने बढ़ाते हैं। इस प्राचीन देश की मूल चेतना को प्रतिनिधित्व देते हैं। वे प्रधानमंत्री के काशी कार्यक्रम को संविधान की भावना का अपमान बांग्लादेश की यात्रा में ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। देवी की उपासना की। बताया। आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री ने धार्मिक कार्यक्रम में नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर गए। हिस्सा लेकर अच्छा नहीं किया। पूजा और उपासना की। धर्म लेकिन मोदी जी ने ऐसी टिप्पणियों संस्कृति के प्रति सेकुलरों द्वारा की परवाह नहीं की। 2014 के पूर्व बढ़ाया गया हीन भाव समाप्त हो रहा है। लोक में प्राचीन संस्कृति भारत का मन उदास था। अब मोदी जी के नेतृत्व में पूरे भारत में के प्रति आदर व आत्मविश्वास उल्लास है। पहले भारत का मन बढ़ा है। 10 साल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण ने सिद्ध कर दिया है कि धर्म और संस्कृति की प्रतिबद्धता साम्प्रदायिकता नहीं है। मंदिर जाना

भारतीय विचार विरोधी सेकुलर पंथ की विदाई तय व्यापक हो गया है। सभी क्षेत्रों में रूढ़िवादिता नहीं है। गंगा जैसी पवित्र नदियों को प्रणाम करना पिछड़ापन नहीं है। श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की प्रत्यक्ष उपासना रूढ़िवादिता नहीं है। वातावरण बदल चुका है। भारत की जीवन शैली और सांस्कृतिक प्रतीकों का सम्मान बढ़ा है। अब हिन्दू और हिन्दुत्व की उपेक्षा संभव नहीं है। सेकुलर राजनीति में सक्रिय वरिष्ठ महानुभाव भी हिन्दु प्रतीकों से जुड़ रहे हैं। हिन्दुत्व पर सबकी सवार्नुमित है। मनभावन अमृत काल का अंतसंगीत मोहक है। हिन्दु मान्यताएं सर्वमान्य हो रही हैं। भारतीय विचार के विरोधी सेकुलर पंथ की विदाई तय हो चुकी है। कला, काव्य शिल्प के क्षेत्र में भी सांस्कृतिक जागरण का जादू है। भारत का वातावरण प्रेममय हो गया है। संस्कृति तत्व लोकमान्य हो चुके हैं। नई तरह का नवजागरण है। इस राष्ट्र जागरण में भारत की रीति की प्रतिष्ठा है। भारत की प्रीति का अभिनन्दन है। यह सब काम आसान नहीं था। पहले हिन्दू होना पीड़ादायी था। अब हिन्दू होना सौभाग्यशाली होना है। यह नामुमिकन था लेकिन मोदी के कारण मुमिकन हो चुका है। समुचा विश्व भारत की लगातार बढ़ रही प्रतिष्ठा को ध्यान से देख रहा है। मोदी के पांच प्रण-'2047 तक विकसित भारत'. 'गलामी के अहसास से आजादी'. 'विरासत पर गर्व', ह्यएकता व एकजुटता पर जोर' व 'नागरिकों का कर्तव्य'-भारत के प्रण संकल्प हैं। राष्ट इनसे प्रतिबद्ध है। तीसरे कार्यकाल में ढेर सारी संभावनाएं हैं। प्रत्येक क्षेत्र में सामर्थ्य की बढ़ोतरी होगी। भारत की विश्व प्रतिष्ठा और

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा

इन नवनिर्वाचित सांसदों पर देश की रहेगी नजर

कसभा चुनाव के नतीजे गहन विश्लेषण भी हो रहा है पर इस प्रक्रिया के दौरान उन तीन नतीजों पर भी देश को गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा जहां से देश के खिलाफ आवाज बलंद करने वाले तीन उम्मीदवार जीत गए हैं। पंजाब की खड़र साहिब और फरीदकोट लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम सिख राजनीतिक क्षेत्र में बडे बदलाव और पंथिक राजनीति के पुनरुत्थान का संकेत देते हैं। कट्टरपंथी प्रचारक अमृतपाल सिंह ने खडर साहिब से और इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने फरीदकोट से जीत हासिल की है, दोनों ही निर्दलीय मैदान में थे। अमृतपाल सिंह खालिस्तान के पक्ष में बोलते रहे हैं। इसी तरह से जम्मू-कश्मीर की बारामला सीट से इंजीनियर राशिद का राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमेर अब्दुल्ला को हराना अपने आप में सामान्य घटना नहीं हैं।

नहीं किया। करतारपुर साहिब में

श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा

बहाल कराई। कैलाश मानसरोवर

के तीर्थ यात्री अव्यवस्था से पीड़ित

थे। चीन में होने के कारण इसकी

व्यवस्था कठिन थी। मोदी जी के

नेतृत्व में कैलाश मानसरोवर की

यात्रा आसान हो गई।

जेल में बंद हैं। पहले बात कर लें अमृतपाल सिंह की। उन्हें पिछले साल राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर असम के डिब्रगढ में जेल में रखा गया। सरबजीत सिंह की जीत ने भी साबित कर दिया है कि सिख अभी तक ऑपरेशन ब्लू स्टार और उन भयानक सिख विरोधी दंगों को भूले नहीं हैं। सच में फरीदकोट ने बड़ा आश्चर्यजनक नतीजा दिया जब सरबजीत सिंह ने हंसोड लोकप्रिय अभिनेता करमजीत अनमोल को हरा दिया, जबकि उनका फरीदकोट में कोई बड़ा नेटवर्क नहीं था। जब इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल के कारण सरबजीत सिंह के पिता को गिरफ्तार किया गया था, वे तब मात्र छह साल के थे। उन्होंने बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वे पहले भी कई चुनावों में किस्मत आजमा चुके हैं। उन्होंने 2007 में बरनाला जिले के भदौर से पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ा और उन्हें केवल 15,702

बठिंडा लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़ा और असफल रहे। उन्हें 1,13,490 वोट मिले। 2009 और 2014 में उन्होंने फिर से क्रमशः बठिंडा और फतेहगढ़ साहिब (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। सरबजीत सिंह की मां, बिमल कौर और उनके दादा सुच्चा सिंह पूर्व में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सरबजीत सिंह इस बार तो चुनाव लडने के मड में नहीं थे। उनसे जब बहुत लोगों ने चुनाव लड़ने की गुजारिश की तो वे चुनाव लंडने के लिए तैयार हुए। वे अपनी कैंपेन में सिखों के मसलों के अलावा फरीदकोट में नशे की बढ़ती समस्या से लड़ने का वादा कर भी रहे थे। फरीदकोट के लिए कहा जाता है कि यह जिला नशाखोरी की चपेट में पूरी तरह से आ चुका है। अमृतपाल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को आसानी से मात दे दी। यह लोकसभा सीट पंजाब में भारत-पाकिस्तान की

उनकी गैरमौजूदगी में उनके माता-पिता उनके लिए प्रचार कर रहे थे। खड़्र साहिब लोकसभा क्षेत्र में अमृतसर-तरन तारन-पट्टी के क्षेत्र शामिल हैं, जो जरनैल सिंह भिंडरावाले का प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। यह सीट सिखों का गढ़ मानी जानी जाती है। अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने कार्यालयों में भिंडरावाले के पोस्टर भी लगाए थे। उन्होंने भी ड्रग संस्कृति को समाप्त करने और बंदी सिखों को रिहा कराने का वादा किया। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट में कई उलटफेर देखने को मिले। ऐसी ही जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट है। यहां राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को जेल में बंद निर्दलीय इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख से हार का सामना करना पड़ा। इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख फिलहाल उसी तिहाड़ जेल में बंद हैं, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंद हैं। राशिद शेख को साल 2019 में

एनआईए ने टेरर फंडिंग के केस में गिरफ्तार किया था। अमृतपाल की तरह से उन्होंने भी जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा। अब सवाल यह है कि इन संदिग्ध छवि वाले उम्मीदवारों के लोकसभा में पहुंचने से क्या संदेश गया? पंजाब में आम आदमी पार्टी (आआप) और कांग्रेस के कथित असर वाले पंजाब में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह की जीत से साफ है कि इनके नेताओं को यह जवाब तो देना ही होगा कि राज्य में देश विरोधी ताकते कैसे अपने पैर जमा रही हैं? पंजाब में आआप की नीतियों को लेकर तो जनता में खासा गुस्सा दिखाई दिया। राज्य की जनता आप के नेता अरविंद केजरीवाल और राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान से नाराज है। आआप ने पंजाब में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। उसे उम्मीद थी कि राज्य में उसकी सरकार है, ऐसे में वह कम से कम राज्य की 13 सीटों में से 10 पर तो जीत हासिल करेगी। हालांकि, उसे तीन सीटों से ही संतोष करना

साहिब और संगरूर को छोड़कर बाकी की सभी 10 सीटों पर आआप को हार का सामना करना पडा। आआप को दिल्ली में भी मुंह की खानी पड़ी। उसने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, इसके तहत दक्षिणी दिल्ली, पर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नई दिल्ली के तौर पर चार सीटें उसके खाते में आईं। यह सब सीटें आआप हार गई। आम आदमी पार्टी को 2014 और 2019 के लोकसभा चनावों में में भी एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इसी प्रकार कांग्रेस भी अपनी तीनों सीटें हार गई। इसमें ह्रदुकड़े-दुकड़े गैंगह्व के कन्हैया कमार की सीट थी। यह दिल्ली में केजरीवाल और कांग्रेस की अ-लोकप्रियता को दशार्ता है। एक बार फिर इंजीनियर राशिद पर लौटते हैं। राशिद को वर्ष 2004 में श्रीनगर में आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उसे तीन महीने और 17 दिनों के लिए जेल में रखा गया।

Social Media Corner

सव के हक में

राष्ट्रीय समर स्मारक में हमारे वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने हमारे देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और निस्वार्थता हमें उन मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है जिनके लिए उन्होंने संघर्ष किया। उनका

बलिदान हमें एक मजबूत और समृद्ध भारत बनाने के लिए भी प्रेरित करता है जिसका उन्होंने सपना देखा था।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी को शत शत नमन! आपके दिखाए राह पर चल रही हमारी सरकार झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों एवं आम लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत है।



(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर शत-शत नमन। आपका बलिदान हमें जल-जंगल-जमीन और झारखण्डी अधिकारों के प्रति सदैव समर्पित और संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। जय बिरसा! जय झारखण्ड! धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें!



(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकिस्तान को अपनी गलती का अहसास

किस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने यह स्वीकार किया है। कि करगिल में घुसपैठ कर और लड़ाई छेड़ कर 1999 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ हुए लाहौर समझौते का उल्लंघन किया था। नवाज शरीफ तब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। जब 21 फरवरी, 1999 को दोनों नेता लाहौर घोषणा पर हस्ताक्षर कर रहे थे, तब पाकिस्तानी सेना करगिल में घुसपैठ कर रही थी। इसका नतीजा लड़ाई के रूप में सामने आया और पाकिस्तानी सेना को पीठ दिखा कर भागना पड़ा था। उस समय परवेज मुशर्रफ पाकिस्तानी सेना के प्रमुख थे और बाद में नवाज शरीफ को तख्तापलट में अपदस्थ कर राष्ट्रपति बने थे। भारत ने गलती मानने के इस बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और कहा है पाकिस्तान में करगिल मसले पर सही समझ उभर रही है।

नवाज शरीफ पहले भी अनेक

बार कह चुके हैं कि पाकिस्तानी सत्ता द्वारा वाजपेयी को धोखा दिया गया था, लेकिन इस बार बयान इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह बात उन्होंने अपनी पार्टी की शीर्ष बैठक में कही है। उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग सत्तारूढ़ दल है और वे इसके अध्यक्ष हैं तथा उनके भाई शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री हैं। नवाज शरीफ का बयान यह स्वीकार करने का संकेत भी है कि भारत के साथ संबंध खराब रख कर पाकिस्तान की उन्नति नहीं हो सकती है। राजनीतिक निर्वासन से उनकी वापसी के बाद से यह उम्मीद लगायी जा रही थी कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार का दौर शुरू होगा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से खराब स्थिति से गुजर रही है। चुनाव में भी यह प्रमुख मुद्दा था। तब यह समझ उभर रही थी और सेना को भी लगने लगा था कि भारत के साथ आर्थिक संबंध ठीक करना होगा तथा पाकिस्तान को दक्षिण एशिया के साथ जुड़ना होगा।

आज सभी पडोसी देशों के साथ पाकिस्तान के संबंध खराब हैं। ऐसे में उसे यह भी समझ में आने लगा है कि वैश्विक स्तर पर भी वह महत्वहीन हो गया है और उसका दोहरा चरित्र सबके सामने स्पष्ट हो चुका है। अगर पाकिस्तान को नये सिरे से कुटनीतिक पहल करनी है, तो यह जरूरी हो जाता है कि वह भारत के साथ रिश्ते बेहतर करे। यदि उसकी ओर से इस दिशा में प्रयास होता है, तो क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर इसकी सराहना भी होगी। पाकिस्तान यह भी देख रहा है कि वैश्विक परिदृश्य में भारत का महत्व बढ़ता जा रहा है और अर्थव्यवस्था में भी प्रगति हो रही है। इस माहौल में अगर उसे नये सिरे से कूटनीतिक पहल करनी है, तो यह जरूरी हो जाता है कि वह भारत के साथ रिश्ते बेहतर करे। यदि पाकिस्तान की ओर से इस दिशा में प्रयास होता है, तो क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर इसकी सराहना भी होगी। पाकिस्तान यह भी देख

रहा है कि वैश्विक परिदृश्य में भारत का महत्व बढ़ता जा रहा है और अर्थव्यवस्था में प्रगति हो रही है। उसे यह स्पष्ट हो चुका है कि पाकिस्तान किसी भी तरह से भारत के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है। ऐसे दौर में जब तमाम देश भारत के साथ संबंध बेहतर कर रहे हैं, तब पाकिस्तान के पास भारत से निकटता बढ़ाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस संदर्भ में दक्षिण एशिया में चीन का प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। दक्षिण एशिया राजनीतिक रूप से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। वह परिवर्तन यह है कि दक्षिण एशियाई देश चीन के साथ-साथ भारत के साथ भी संबंध अच्छा करना चाहते हैं। अभी हमने देखा कि किस तरह मालदीव फिर से भारत के साथ निकटता बढ़ाने की लगातार कोशिश कर रहा है। हमारे पड़ोसी देश यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारत एशिया में एक उभरती हुई शक्ति है।

बदलाव और निरंतरता

जब वामपंथी राष्ट्रवादी और मूवमेंट ऑफ नेशनल रिजुवेनेशन (मोरेना) के नेता एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर 2018 में मैक्सिको के राष्ट्रपति बने, तो कई लोगों ने चेतावनी दी कि यह मध्य अमेरिकी देश दूसरा वेनेजुएला बनने की राह पर है। लेकिन श्री ओब्रेडोर ने राजकोषीय जिम्मेदारी के साथ लोकलुभावनवाद का इस्तेमाल करके और मेक्सिको की राजनीति, जिस पर सात दशकों से ज्यादा समय तक अमेरिकी समर्थक मध्यमार्गी-दक्षिणपंथी इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) का वर्चस्व था, को वामपंथ की ओर बढ़ाकर अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया। मोरेना की लहर ने 61 साल की जलवायु वैज्ञानिक क्लॉडिया शीनबाम, जिन्हें श्री ओब्रेडोर का समर्थन हासिल था, को पिछले हफ्ते इतिहास रचने में मदद की क्योंकि वह मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं। हिंसक अपराधों से निपटने के लिए अपने सख्त कदमों के लिए जानी जाने वाली मेक्सिको सिटी की इस पूर्व महापौर ने जहां 58.6 फीसदी मत हासिल किए, वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी और तीन विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार जोचिटल गैल्वेज को 28.4 फीसदी मत मिले। मोरेना ने संसद में भी दो-तिहाई बहुमत हासिल किया जिसके चलते शीनबाम 30 से ज्यादा सालों में पहली ऐसी नेता बन गईं, जो विपक्ष के समर्थन के बिना कांग्रेस के जरिए संवैधानिक बदलावों, जोकि ओब्रेडोर का एक बहुप्रतीक्षित वादा था, को आगे बढ़ा सकती हैं। धन वितरण, अपराध से निपटने और एक मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण के वादे पर आधारित अपना चुनाव अभियान चलाने वाली शीनबाम ने कहा कि वह ओब्रेडोर की विरासत के प्रति ईमानदार रहेंगी। वर्ष 2018 में ओब्रेडोर की जीत ने मेक्सिको की राजनीति में एक आमूलचूल बदलाव सुनिश्चित किया। उन्होंने व्यापक भ्रष्टाचार को खत्म करने और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक व्यय कार्यक्रम शुरू करने का वादा किया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Keep your friends closer

PRIME Minister Narendra Modi has staked claim to becoming Prime Minister again, his third consecutive term, equalling Jawaharlal Nehru's record; allies Chandrababu Naidu, Nitish Kumar, Eknath Shinde and Chirag Paswan have welcomed him warmly on behalf of a renewed NDA coalition; and in Punjab as well as Jammu & Kashmir, Sarabjeet Singh Khalsa, Amritpal Singh and Engineer Rashid 'Langate' have won their seats — the last two are still imprisoned under the NSA and UAPA, respectively.All three very different messages from this election potpourri can only be underlined by a fourth, a post-poll rumour — Sonia Gandhi, it seems, has spoken to both Naidu and Nitish about potential support; speculation is rife in New Delhi that INDIA may be willing to offer the top job to either in case they are willing to switch coalitions.

That is unlikely to happen because INDIA simply doesn't have the numbers. Modi is surely on his way to becoming PM again. But if the press knows that Sonia is reaching out to the same men who are gifting Modi expensive silk Kanjeevaram shawls within hours of them speaking to her, the intelligence agencies — and therefore, Modi and Amit Shah — know too. The knowledge will keep them alert. Keep your friends close, for sure, but keep your enemies closer — both Chanakya and Machiavelli will be needed in large doses as the thrice-anointed PM negotiates the coming months in power.

Naidu, especially, will hope to moderate Modi's penchant for polarising rhetoric — the question is whether he and his Stanford-educated son, Nara Lokesh (whose statement "there's no place for arrogance in the government" has been like a pleasing monsoon shower for many across the land) will be able to withstand the enormous power wielded by Modi and Shah. The Naidus & Others may soon find that the exercise of power cuts both ways: They have already been told that they cannot have one of the four top jobs - in defence, external affairs, finance and home ministries — or even the post of Speaker in Parliament. They may find themselves with no choice but to acquiesce if they want the Centre to release a generous financial package for their beloved Andhra Pradesh, or Bihar, as the case may be for Nitish. Nor are the Prime Minister and his men — there are unlikely to be many women in the Cabinet, what with both Nirmala Sitharaman and Smriti Irani gone — likely to relinquish their control over the media, notwithstanding Sudhir Chaudhary's latest finding on Aaj Tak that a large section of India's Hindus didn't particularly care for Hindutva, which is why the BJP lost so many seats in this election. The question is: Will Modi and Naidu quietly agree to carve out their respective spheres of influence — Andhra Pradesh for Naidu and the rest of the (non-BJP-ruled) country for Modi — or will Naidu allow his views on sensitive matters, like religious equality before the Constitution as manifested in the Places of Worship Act of 1991, to inform his pact with the PM? We saw how in recent months, the UP administration swiftly allowed the installation of idols in the Gyanvapi mosque and how the high court quickly fell in line. Will Naidu shut his eyes and turn his gaze away when this matter comes up again and the tension, thick and palpable, returns to the PM's constituency?Guess we will know soon enough. If Naidu believes his priority is to groom his son to take over the state, he may not have much time for twinges of conscience on national issues — in fact, the PM may be happy if the TDP leader is consumed with his self-styled Republic of Andhra Pradesh and doesn't retain much of an attention span for leftover matters the BJP promised to bring to fruition in its manifesto, such as the implementation of the Uniform Civil Code across the country. It is this potential see-saw for influence at the heart of the NDA coalition that could characterise the coming months and years. Naturally, an emboldened Opposition will attempt to accentuate this tension — equally, the government may be fully prepared for Parliament sessions to be washed out to allow the Opposition to exhaust itself in the sound and fury of debate, discussion and sound bites, while it exercises

Election results show the political class has let Punjab down

The SAD's decline is bad news for the state, as it creates a vacuum, allowing for the rise of hitherto dormant radical, secessionist forces.

THE 2024 parliamentary elections in Punjab were exceptional in many respects. The Shiromani Akali Dal (SAD) and the BJP went solo in all 13 seats in the state, necessitated by their break-up in 2020. It was an election to test whether the state would finally respond to the 'national constituency' phenomenon sought to be created by the saffron party across the states in the past decade. It was based on issues like cultural nationalism, national security, the exalted place of the country in the world order, India being the fifth-largest economy, welfare guarantees and Modi's leadership. This was yet another opportunity for the SAD — the oldest regional party in India and one that has always claimed to represent the Sikh community's political interests — to check the steep slide in its electoral fortunes. And if the slide were to continue, what would be the implications for the Sikh-majority state? At a time when there has been a large-scale ideological shift to right-wing conservatism, visible in the surge of cultural nationalism in north, central and western India, would Punjab remain immune to it, despite having a sizeable Hindu population? Was there an unmistakable sign of the revival of radicalism in the Sikh community, already indicated by the unexpected win of Simranjit Singh Mann in the 2022 Sangrur bypoll and the Amritpal Singh episode? The election was also seen as a mid-term assessment of the performance of the AAP government, which has a brute majority of 92 in the 117-member House. The poll was yet another test of the farmers' power in state politics. The question was whether the agrarian distress was going to be an issue that would have a significant electoral impact, especially for the BJP and the Akali Dal.Going by the verdict, it is obvious that Punjab's 'exceptionalism' continues in many ways. For one, local issues and candidates continued to determine the electoral choices in the state, even though it was a General Election. The Modi factor did not work in Punjab. BJP candidates and state leaders — many among them turncoats — continued to face protests by farmers a repeat of the 2022 Assembly lections.

Though the party polled an impressive 18.56 per cent of the vote share, it could not win even a single seat. This time, the BJP was the runner-up in Gurdaspur, Ludhiana and Jalandhar, which all have a significant Hindu presence.

As far as the AAP government's dismal performance is concerned, it was evident that the party banked upon its populist schemes to mobilise voters and not on the basis of its record of the fulfilment of its promises of eradicating drugs, corruption and all kinds of mafias, from sand to liquor. It did not help that the party has been making these promises since it made its debut in the 2014 elections, when it won four seats in Punjab. It also hardly helped the party that some of its top leaders have been in jail or are facing trials/criminal charges. The fact that AAP contested 22 seats in India but could only win three



(all in Punjab) is little solace for the party.

The Congress managed to win seven seats with a 26.3 per cent vote share, slightly higher than AAP's 26.02 per cent. It obviously benefited from the plurality voting system. The party's decision to not have an alliance with AAP despite being part of the INDIA coalition did help it, as it got the anti-incumbency votes cast against the AAP government. Rahul Gandhi's frequent visits to the Golden Temple and his nationwide appeal against majoritarianism helped endear the Congress to the Sikh masses. The steady decline of the Akali Dal, the Panthic party that shaped the politics of the state, continued as it managed to get only 13.42 per cent vote share, down from 27.76 per cent in the 2019 election. The lone win from the Badal family seat of Bathinda is not going to erase the question mark about Sukhbir Badal's leadership. Once a cadre-based ideologically oriented party, the SAD's decline is bad news for the state, as it creates a vacuum, allowing for the rise of hitherto dormant radical, secessionist forces.

The victories of Amritpal Singh and Sarabjeet Singh Khalsa, the independent candidates from the Khadoor Sahib and Faridkot constituencies, respectively, with impressive margins, are a worrying development. Both have been identified with separatism. Their wins are a grim reminder of a segment of the Sikh electorate still harbouring the wounded psyche, a result of decades-old unfulfilled demands and the unfortunate events that occurred in the dark days of militancy. Also, their wins can be attributed to the growing alienation of people especially the youth, who have been rendered unemployable because of the dismal state of the education sector — from traditional parties.

he exodus of industries and the agrarian crisis mean very few job opportunities for the youth, and hence the largescale migration of human capital is happening, emptying the villages. There is also growing demographic anxiety as the exodus of the youth coincides with an influx of the Hindu migrant working class. People in the state are consumed by the fear of ruination of its agriculture-based economy, as the Green Revolution had run its course long ago. The landed peasantry, once dubbed 'rich farmers', are now at the receiving end, as successive governments at the Centre — under the spell of the corporate sector have focused on the service and manufacturing sectors. Here again, industries have been migrating to neighbouring states. The political class has let Punjab

Child food poverty

Despite strides, nutritional inequity worrisome

A recent Unicef report highlights a grim reality: over 180 million children under five globally live in severe food poverty, an alarming crisis that affects one out of four kids in this age group. This stark statistic underscores the urgent need for concerted efforts to address malnutrition and ensure the wellbeing of future generations. Even as India marches towards rivalling the top economies of the world, the report is a sobering reminder that the country figures among the 20 that account for 65 per cent of the children living in severe food poverty. Unicef's guidelines emphasise the need for children to consume a diverse diet from at least five out of eight food groups daily. Yet, millions of children worldwide, including 64 million in South Asia, fail to meet this standard, leading to severe nutritional deficiencies and long-term developmental impacts. However, amidst this dismal scenario, there is a beacon of hope in India as the country has reduced the gap in severe child food poverty between poorer and wealthier households over the past decade by at least



five percentage points, highlighting strides made towards nutritional equity. This progress is a testament to the impact of targeted government policies, community-driven initiatives and partnerships aimed at improving access to nutritious food for the most vulnerable children. But India cannot be complacent; a lot remains to be done.

The global food system, criticised for promoting cheap, high-calorie and nutrientpoor foods, exacerbates the crisis. To combat this, governments and international partners must prioritise the reduction of child food poverty, ensuring that nutritious and diverse systems should deliver essential nutrition services and social protection systems must be responsive to the dietary needs of vulnerable families. Investments in sustainable solutions are vital to ensure that every child, regardless of his or her socio-

economic background, has the opportunity to thrive.

Govt must be proactive in tackling security challenges

Though the Modi government has laid emphasis on indigenisation of military hardware, much needs to be done to achieve atmanirbharta.

A new government is set to take charge under the leadership of PM Narendra Modi, who is beginning his third term as the Prime Minister. Thus, continuity and consistency in major governmental policies can be expected. However, with a coalition at the helm, some transformational decisions may take a back seat. Much serious work awaits the government. Apart from the criticalities that need to be speedily addressed, the emerging security challenges across various domains will also have to be confronted.

power outside.

That India faces two adversarial nuclear-armed neighbours, China and Pakistan, working both independently and collusively, has to be factored in. India's strategic challenges extend in the west from the Strait of Hormuz, running southwards along the eastern coast of Africa to the Malacca Strait in the east, also spanning the Arabian Sea and the Indian Ocean. The Indo-Pacific region, increasingly becoming an area of strategic contestation between the US and China, also impacts India as it is one of the major players in this realm. India has land borders exceeding 15,000 sq km, which it shares with seven nations. India also has a 7,683-km coastline and an exclusive economic zone of over 2 million sq km. Internal security challenges do emerge once in a while in J&K and some of our restive northeastern states, while a fading Naxal/Maoist insurgency still persists. China's continuing belligerence towards India and its unending 'salami-slicing' tactics in the border regions are of major security concern for us. Thus, overall, India has to ensure its territorial and economic sovereignty. Since Independence, India has witnessed major conflicts in 1947-48, 1962, 1965, 1971 and the Kargil War in 1999, apart from battling many internal security upheavals, including insurgency in the North-East and, countering terrorism emanating from Pakistan. Despite all these kinetic conflagrations, India has not yet promulgated a National Security Doctrine (NSD). Since the past many years, national security has



moved far beyond military activities, prosecution of war or managing internal security problems. Today, national security embraces non-military dimensions, including terrorism, economic security, energy security, food security, environmental security and cybersecurity. National security responsibilities span more than the charter of the Ministry of Defence, calling for a "wholeof-government approach". Most powerful nations of the world have enunciated their NSD, which lays down their priorities in a variety of fields. Though the major strategic mission objectives will be military-oriented, the NSD will comprehensively lay down prioritisation in various fields of governance and protection of national interests, apart from synergising the nation's geopolitical, military, diplomatic, financial and technological strengths. Accordingly, the new government must lay emphasis on the formulation of the NSD with alacrity. Another important defence reform which the newly elected government should bring to fruition is the long-awaited integrated theatre commands (ITCs) edifice for synergising the operational capabilities of the three Services. Notwithstanding the differences over its implementation by the Services, a way has to be found to get "more bang for the buck". The government should institute a committee of serving officers, renowned veterans and civilian experts to suggest the composition, charter and geographical responsibilities of the ITCs.As is universally known, India holds the dubious record of being the world's largest importer of arms, ammunition and military platforms. Though the Modi government has laid emphasis on indigenisation of military hardware, much

still requires to be done to achieve atmanirbharta (selfreliance in production of military equipment). The government must give a major fillip to manufacturing as per our defence requirements, synergising the work of the Defence Research and Development Organisation, public sector ordnance factories and the technologically adept private sector. Foreign manufacturers of repute should also be encouraged to shift some of their production units to India — genuine public-private sector cooperation will be of great assistance to meet Indian defence's burgeoning needs. The Navy's requirements to ensure the security and independence of our sea lanes need to be met by adequate capital budget funds. Work must commence on the demand for a third aircraft carrier and additional submarine capability. Simultaneously, the strategic Andaman and Nicobar Command must be strengthened to safeguard India's interests in the Indian Ocean and keep China's misplaced maritime ambitions in check. One area where the government will have to arrange funds is for the Indian Air Force's long-pending requirement of 114 fighters as its present holdings are precariously down to unacceptable levels. Importantly, the government must oversee the three Services collectively, analysing the lessons from the ongoing Russian-Ukraine war and the Israeli-Hamas conflict. These conflicts have put to rest many traditional concepts which were being practised by many armed forces across the world. Besides the nuances of artificial intelligence and information warfare, the employment of drones, air defence systems, missiles, tanks and infantry combat vehicles need to be looked at afresh. The government should remember that it takes time to improve defence capabilities, and procrastination in defence matters will only be at the nation's peril. The need to strengthen all the constituents of Comprehensive National Power should be the guiding principles in our march forward to deservingly take a seat at the global high table.

Massive Cost Overrun: 448 Infra Projects Exceed Budget By Rs 5.55 Lakh Cr In April

NEW DELHI. As many as 448 infrastructure projects, each entailing an investment of Rs 150 crore or above, were hit by a cost overrun of more than Rs 5.55 lakh crore in April 2024, according to an official report.According to the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), which monitors infrastructure projects worth Rs 150 crore and above, out of 1,838 projects, 448 reported cost overruns and 792 projects were delayed.entation of the 1,838 projects was Rs 27,64,246.50 crore, and their anticipated completion cost is likely to be Rs 33,19,601.84 crore, which reflects an overall cost overrun of over Rs 5,55,355.34 (20.09 per cent of original cost), the ministry's latest report for April 2024 showed. According to the report, the expenditure incurred on these projects till April 2024 is Rs 1,692,997.5 crore crore, which is 51 per cent of the anticipated cost of the projects. However, the number of delayed projects decreased to 514 if the delay is calculated on the basis of the latest schedule of completion, it added. Of the 792 delayed projects, 220 have overall delays in the range of 1-12 months, 192 have been delayed for 13-24 months, 259 projects for 25-60 months, and 121 projects for more than 60 months. The average time overrun in these 792 delayed projects is 35.4 months.

Reasons for time overrun, as reported by various project implementing agencies, include land acquisition, environmental clearance, financial issues, contractual/internal issues, manpower shortage and

GSTN rolls out form for tobacco producers

NEW DELHI. The GST Network (GSTN) has rolled out a form for manufacturers of pan masala and tobacco products to report inputs and outputs procured with tax authorities to check evasion. This new form GST SRM-II came within a month of GSTN rolling out form GST SRM-I for registering machines of such manufacturers.

Moore Singhi executive director Rajat Mohan said the newly available Form GST SRM-II requires detailed monthly reporting of inputs and outputs.

Taxpayers are advised to familiarise themselves with the details and instructions provided in these forms to ensure seamless compliance and avoid potential penalties, he added. In January, CBIC announced introduction of a new registration and monthly return filing procedure to improve Goods and Services Tax compliance for manufacturers of pan masala and tobacco products effective April 1. The date was later extended to May 15. The move to overhaul the registration, record-keeping, and monthly filing of such businesses was aimed at improving GST compliance for manufacturers of pan masala and

Form 26AS Discrepancy: Here's What To Do If TDS Data Is Mismatched



NEW DELHI. TDS stands for Tax Deducted at Source. It's a mechanism implemented by the government to collect income tax right at the time the income is generated, instead of waiting for the taxpayer to file their return.

The purpose of TDS is to ensure a regular flow of tax revenue to the government and prevent tax evasion. The TDS deducted is credited to the payee's income tax account and can be claimed against their final tax liability while filing the income tax return. Form 26AS acts as a consolidated statement that links TDS deducted at source to your income tax information.

Part A of Form 26AS captures details of all TDS deducted from your income throughout the financial year. This includes information like: Verification and Filing: By comparing the TDS information in form 26AS with your TDS certificates (form 16 for salaried individuals and form 16A for non-salaried individuals), you can verify if the deducted TDS has been deposited correctly by the deductor.

Discrepancies In Actual TDS and TDS Credit As Per Form 26AS

Everyone who deducts tax at source must provide the Income Tax Department with the details of the tax they have deducted. These details include the name and Permanent Account Number (PAN) of the deductee, the amount of tax deducted, the amount paid to the deductee, the date the TDS was credited to the government, and other relevant information. Often, there can be disparities between the actual TDS amount and the TDS credit shown in Form 26AS. The TDS credit displayed in Form 26AS might be lower than the actual TDS amount. This can occur due to various reasons such as the deductor failing to furnish TDS details to the Income Tax Department, or deducting tax under an incorrect PAN, among others. What To Do If TDS Is Not Reflected In 26AS?

According to the information available on the official website of the Income Tax Department, in such a case the deductee should approach the deductor and request them to take the necessary steps to rectify the

discrepancy due to the above reasons. The Income-tax Department updates the TDS details in Form 26AS based on details provided by the person deducting the tax (i.e., the deductor), hence, if there is any default on the part of the deductor like non furnishing of TDS details (i.e., TDS return) to the Income-tax Department, deducting the tax in incorrect PAN, etc. then form 26AS will not reflect the actual TDS. In such a case, the taxpayer may not be able to

claim the credit of the correct TDS.

Akasa Air well on path to profitability; to launch more international flights: Co-Founder Aditya Ghosh

NEW DELHI. Akasa Air is well on the path to profitability and will fly to more international destinations, including in South Asia and Southeast Asia, according to its Co-Founder Aditya Ghosh.In less than two years of taking to the skies, Akasa Air has a fleet of 24 planes and has more than 4,000 employees.In an interview to PTI in the national capital, Ghosh, who has donned multiple and diverse roles during his career, said that airlines are becoming more of a consumption story in India."We will increasingly see it as consumer-focused businesses where the learnings which are there from ecommerce companies will help us address the needs and behaviour of consumers better in the transportation business," he said. Among other roles, he had served as IndiGo's President and Whole Time Director for ten years till 2018. When a customer-focused and employee-centric organisation is being built, it is also important to build a financially sustainable business, Ghosh

said and emphasised that Akasa Air is well on the path to profitability."I think at Akasa we are on track to profitability. We are steadfastly focused on it.

we have seen greater operational reliability, best on time, lowest customer complaints, highest load factors, lowest cancellations. The airline currently has a fleet of 24 narrow-body Boeing 737 MAX planes."We have started flying to Doha, announced flights to Jeddah, we are going to go to more destinations in the Middle East.We will ultimately go to South Asia and Southeast Asia as well, and at the same time, go to Tier 2, 3 and 4 cities in India because there is so much potential there," Ghosh said.

The airline will start flights to Jeddah from July 15.It also has traffic rights for Kuwait and Riyadh.On whether Akasa Air could have wide-body planes in its fleet, Ghosh said the business model that has consistently done well is the one It has placed a firm order for 226 Boeing which stays focused on one type of



fleet. With a single type of fleet, he said there will be high asset utilisation and costs are within control but that does not mean there is no market for large fullservice carriers."At Akasa, we are very He has funded various companies, focused on textbook style, Roger Federer, Rahul Dravid style.boringly consistent.

Do the basics, do them right, do them consistently," he noted. More than 200 aircraft are expected to join the airline's fleet over the next 8 years.

737 MAX aircraft. While stressing that

run airlines, Ghosh said he thinks Indian aviation is poised at a place where the growth and success of an airline is not predicated on the failure of

At a personal level, Ghosh started off as a lawyer and then got involved in the airline business.He is on the boards of The ePlane Company, OYO, Ras Al Khaimah International

Airport and GreenCell Mobility, among other roles. Ghosh has made investments through his venture Homage Ventures.

including indigenous coffee roaster Blue Tokai and healthy food products maker Wholsum Foods."I am on a journey in pursuit of excellence and that excellence is not just in the businesses that I am involved in, personally, I am a slightly better person than I was yesterday," he

New GSTN Form Mandates Detailed Reporting NARCL may miss Rs for Tobacco Manufacturers, Check Details Here 2 Lakh crore target

NEW DELHI. The GST Network (GSTN) has rolled out a special form for manufacturers of pan masala and tobacco products to report inputs and outputs procured with tax authorities to check evasion.

This new form GST SRM-II came within a month of GSTN rolling out form GST SRM-I for registering machines of such manufacturers."The second form namely Form GST SRM-II is also available on the portal. Taxpayers dealing in the manufacture of Pan Masala and Tobacco products can now report the details of inputs and outputs procured and consumed for the relevant month," GSTN said in an update to its taxpayers on June 7.

Moore Singhi Executive Director Rajat Mohan said the newly available Form GST SRM-II requires detailed monthly reporting of inputs and outputs."This form aims to enhance transparency and accountability in the

manufacturing process of Pan Masala and Tobacco products. Taxpayers must meticulously document their procurement and consumption of inputs to avoid any discrepancies and ensure accurate tax filings," Mohan



saidTaxpayers are advised to familiarise themselves with the details and instructions provided in these forms to ensure seamless compliance and avoid any potential penalties, he

added.In January, the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) announced the introduction of a new registration and monthly return filing procedure to improve GST

compliance for manufacturers of pan masala and tobacco products effective April 1. The date was later extended to May 15. The move to overhaul the registration, record-keeping, and monthly filing of such businesses was aimed at improving GST compliance for manufacturers of pan masala and tobacco products.

The GST law was also amended via Finance Bill 2024 to say that manufacturers of pan masala,

gutkha and similar tobacco products will have to pay a penalty of up to Rs 1 lakh, if they fail to register their packing machinery with GST authorities with effect from April 1.

NEW DELHI. The National Asset Reconstruction Company Ltd (NARCL) may not be able to achieve the target of acquiring Rs 2 lakh crore assets by the end of the current financial year.ccording to sources in the finance ministry, the Rs 2 lakh crore target is not sacrosanct. Many of the assets identified to be taken over by the NARCL have already been resolved, and therefore, it is not necessary that the target has to be achieved, a finance ministry official told TNIE.NARCL, which is known as Bad Bank, has so far acquired around Rs 93,000 crore worth of stressed assets. The asset reconstruction company, which was set up in 2021, had the target of acquiring stressed assets of about Rs 2 Lakh crore in phases within extant regulations of RBI. It intends to acquire these through 15% Cash and 85% in Security Receipts (SRs). The government has set aside Rs 30,600 crore to back SRs issued by NARCL for



Domestic open access solar capacity addition doubles to 1.8 GW in Jan-Mar: Mercom

NEW DELHI. Open access solar installations rose two-fold in India to 1.8 gigawatts during January-March this year supported by several factors, including reduced module cost, US-based Mercom Capital has said. Solar power through open arrangement w power producer establishes a solar power plant to supply green energy to consumers.

India added over 1.8 gigawatts (GW) of solar open access capacity in the first quarter of the calendar year of 2024, posting a two-fold increase from 909.3 megawatts (MW) in Q4 2023,

the report titled 'Mercom India Solar Open Access Market' said.

As of March 2024, the cumulative installed solar open access capacity stood at 14.3 GW.Solar open access developers benefited from lower Chinese module prices and the suspension of the Approved List of Models and Manufacturers (ALMM)



order for projects commissioned through March 2024

Additionally, lower power purchase agreement (PPA) prices, due to reduced project costs, further incentivized consumers to adopt solar open access.

"Demand for green energy open access, especially solar, has been mounting, driven by the financial savings and initiatives to add renewable energy in

the power procurement mix. 'An additional push comes from the corporates leading climate change mitigation strategies. If not for the regulatory restrictions, green energy open access could be the driving force fossil fuel targets," said Priya Sanjay, Managing Director at Mercom India.

In Q1 2024, Rajasthan led solar open access capacity additions, accounting for almost 28 per cent followed by Andhra Pradesh and Maharashtra with 21 per

cent and 12 per cent of capacity additions, respectively.

The pipeline of solar open access projects under development and in the preconstruction phase was over 18 GW as of March 2024. Almost 74 per cent of pipeline projects were in Karnataka, Rajasthan, Maharashtra, Tamil Nadu, and Andhra Pradesh.

acquiring these assets. The guarantee will be valid for 5 years. The condition precedent for invocation of guarantee would be resolution or liquidation. The guarantee would cover the shortfall between the face value of the SR and the actual realisation. The finance ministry source also added that it is not that the NARC would be wound off after acquiring Rs 2 lakh crore assets. It would continue to exist as an asset reconstruction company. "New stressed assets would continue to come up for acquisition," he added. The official, however, reiterated that government guarantee is only for resolution of stressed asset cases, and not for other purposes. For example, NARCL last acquired SREI Infrastructure Finance and SREI Equipment Finance through a competitive bidding process under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). The official said that no guarantee has been provided for such acquisitions. The NARCL had acquired the two SREI Group NBFCs by making an upfront payment of Rs 14,660 crore to creditors. The resolution plan of NARCL also has a provision of offering 20% stake in SREI Infrastructure Finance to financial creditors.

Tax on hybrids should be merit-based: Toyota Motor

NEW DELHI. Amid growing popularity of hybrid vehicles in India, Toyota Kirloskar Motor (TKM) said the final call taken by the GST Council regarding tax relief on hybrid cars should be "meritbased" rather than the current system where taxes on four-wheelers are determined by body and engine size.

he manufacturer of Innova Hycorss and Hyryder models said they are doing their best to bring down prices of hybrids in India."It is up to the GST Council to take a call on GST rate on hybrids...What we are saying is that policies and taxation should be aligned towards the national goals (i.e becoming self-energy reliant and reducing carbon emission) and enabling consumers to make a better choice in terms of technology meeting those national goals," said Vikram Gulati, country head and executive vicepresident, Toyota Kirloskar Motor.

Currently, India levies a GST of 28% on vehicles powered by internal combustion engines, including hybrids, and 5% on electric vehicles. However, with the inclusion of cess, the tax on hybrid vehicles is about 43%

Carmakers such as Honda, Toyota and Maruti Suzuki have been lobbying that taxes on hybrids should be brought down as they will play an important role in the decarbonisation process. However, carmakers such as Tata Motors and Mahindra & Mahindra have opposed a rate cut on hybrids highlighting that the entire focus of the industry should remain transition towards EVs.

Now that the general elections in India are over, all eyes are on Cabinet formation and the government's road map for the auto industry. Carmakers like MSIL and Toyota would be hoping that their call on hybrids is discussed in the next GST Council meet. Earlier, outgoing Transport Minister Nitin Gadkari said he had requested finance ministry to reduce the GST on hybrid cars to 12%. If this request is considered, prices of

popular hybrid vehicles may see a price cut of Rs 2-4 lakh, bringing them on a par with petrol-powered models. For the time being, TKM said they are doing their best to bring down the prices of hybrids.

Advertisements "We are trying to localise as much as we can. The key component in hybrid powertrains, the e-drive, is now made in India. It is the first plant outside of Japan in Asia and only the fourth plant worldwide. We are upskilling our



workers to align with the technological shift. All these efforts should help us to What is Hybrid Car? (TTTI) last month started accepting applications for its 2024-2025 programmes to provide free training to academically inclined students from economically disadvantaged backgrounds in Karnataka. The institute is increasing its intake to 1,200 students. including 600 females to promote gender

Meanwhile, TKM on Friday inaugurated its First Company Owned Toyota Used Car Outlet (TUCO) in New Delhi, the second in India, under brand name of "Toyota U-Trust".

"With the Indian used car market projected to grow at a CAGR of 8% and currently being 1.3 times the size of the new car market, the sector holds significant growth potential. Our recent expansion of Toyota Company Owned Outlet in Delhi and plans for more outlets across key cities underscore TKM's strategy to create a seamless, transparent, and reliable used car market for our customers, emphasizing quality and safety-focused refurbishment," said Takashi Takamiya, Vice President at TKM.

become more competitive," said Gulati. A hybrid uses more than one means of Toyota Technical Training Institute energy, combining a petrol or diesel engine with an electric motor, and the two systems work with each other. This allows the car to burn less gasoline, achieving better fuel efficiency. Carmakers such as Honda, Toyota and Maruti Suzuki have been lobbying that taxes on hybrids should be brought down as they will play an important role in the decarbonisation process.

BJP's seat loss analysis: Dalit perception, angry party workers among key factors

New Delhi: After facing a significant The Opposition's campaign on the lines that reduction in its tally in the recently concluded Lok Sabha polls, the BJP leaders have started an in-depth analysis of the party's performance. According to sources, the leaders have found that the party's failure to manage the delicate caste equations, lack of coordination between the government and the organisation in the BJP-ruled states, and anger among the local candidates were some of the issues that led to the decrease of the saffron party votes in Uttar Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, and Haryana.

Local party workers were angry about being neglected by their state's government and the decision to field incumbent MPs, the post-poll analysis highlighted.

The poor performance was unpredictable because the BJP is either the majority power in these states or in power as a member of the ruling alliance.BJP leaders also estimate that not only did the non-Yadav OBC vote bank slip away, but Dalit votes also shifted in favour of the INDIA bloc in the northern states, sources said.

BJP will change the Constitution if it comes to power weighed heavily on the party, and the saffron side's failure to not counter it effectively also led to the slipping away of the Dalit votes, BJP leaders believe. The defection of Khatik and Khurmi votes among non-Yadav OBCs dented the ambitious '400 paar' target. The near absence of the Mayawati-led Bahujan Samaj Party (BSP) resulted in the shifting of the Dalit votes towards the Congress-Samajwadi Party alliance in Uttar Pradesh.

The lack of involvement of RSS workers also hurt the BJP in Uttar Pradesh and Bihar, the analysis showed.In North India, the BJP suffered significant losses in Haryana, Rajasthan, Maharashtra and especially in Uttar Pradesh in the 2024 polls as compared to 2019.In Uttar Pradesh, the INDIA bloc won 43 seats of the state's 80 seats and, the BJP managed to secure victory on 33 seats only. In 2019, the BJP had won 62 of the 80 seats, and ally Apna Dal (Soneylal) had bagged two.



In Rajasthan, where the BJP won 24 of the 25 seats in 2019, with the Hanuman Beniwalled Rashtriya Loktantrik Party winning the Nagaur seat, the saffron side this time only won 10 seats. The Congress, on the other hand, learnt from its mistakes and bagged eight seats. Its three allies -- the Communist Party of India (Marxist), the Bharatiya Adivasi Party, and Beniwal's RLP -- have

Mahayuti alliance -- comprising Eknath Shinde's Shiv Sena, Ajit Pawar's NCP and the BJP -- were disappointing as it managed to win only 17 seats. On the other hand, the opposition Maha Vikas Aghadi (MVA), plagued by splits in two parties, punched above its weight to bag 30 seats. In Haryana, where the BJP had won all 10 seats in 2019, it lost in five constituencies this time.

WHAT WORKED FOR BJP

In Maharashtra also, the results for the ruling The post-poll analysis showed that the four

states that saved the BJP from sinking below 200 were Madhya Pradesh, Gujarat, Odisha, and Karnataka.

In Madhya Pradesh and Gujarat, the BJP analysis showed that its grassroots organisation worked strongly. In Karnataka too, despite a Congress government being in power, the BJP performed well there. The party's decision to give leadership to the BS Yediyurappa faction also worked in its favour. Trusting Yediyurappa after the assembly election results and forming an alliance with the Janata Dal (Secular) was beneficial for the BJP.

The BJP secured a resounding victory in the 2024 Lok Sabha elections in Karnataka by clinching 17 out of the 28 seats. Its ally JD(S) also won two seats.In Odisha, the BJP's decision not to form an alliance with Naveen Patnaik proved to be correct. The BJP achieved a historic victory in the Lok Sabha polls in the eastern state, securing an unprecedented 20 out of 21 seats, a significant improvement from their previous tally of eight seats in 2019.

Why lawyers can't be

sued in consumer courts

New Delhi: Justice Dipak Misra in 2017 said that

nobility, sanctity and ethicality of the 'profession' has to be kept uppermost in the mind of an

advocate. The Supreme Court in the matter of Bar

of Indian Lawyers delivered a path-breaking

judgment on May 14, 2024. The bench comprising

Justices Bela M Trivedi and Pankaj Mithal held

that lawyers cannot be sued in consumer courts.

This ruling will have far-reaching implications for

the legal profession. The fundamental issue before

the court was: should the members of the legal

profession be covered under the consumer

protection laws? This further raises the issue.

whether the Parliament intended to include the

legal profession or the other professions within the

purview of Consumer Protection Act, 1986, as re-

enacted in 2019? The apex court has made it clear

that professionals cannot be called businessmen or

traders nor clients or patients be called consumers.

The terms 'business' or 'trade' have 'commercial'

On the other hand, the term 'profession' involves

learning or science. The nature of work of a

professional is also skilled and specialised one.

Most of the work of the professional is mental.

Therefore, the success would depend upon many

UP minor sexually assaulted by school principal, attempts to die by suicide

New Delhi: A minor girl, who was allegedly raped by her school principal, attempted suicide by jumping in front of a train on Saturday, the police said. The incident took place in Uttar Pradesh's Kaushambi district. Following the tragedy, the district hospital admitted her in serious condition. The school principal, identified as Devendra Kumar Mishra, allegedly raped a minor student at her home. The video of the incident, circulated on social media on June 6, 2024, shows the principal engaging in inappropriate behaviour towards the student.

It is believed that the girl tried to kill herself after an obscene video of the school principal in an objectionable condition went viral on social media.

The police arrested the youth who allegedly circulated the video on social media. As the police arrived to nab the youth, he attempted to flee. Following that, he sustained injuries, for which he was taken to a hospital. After the video went viral, the family members of the rape survivor filed a complaint at the Kokhraj Police Station. Plunging into action, the police registered a case against the accused principal and began to look out for him on the same day. Meanwhile, after receiving the news that the rape survivor had attempted suicide, ADG Bhanu Bhaskar and IG Prem Kumar Gautam visited the district hospital and met the minor and her relatives. The accused principal is absconding since a rape case has been registered against him. The police are still searching for him. Speaking with the media, ADG Bhanu Bhaskar assured that the accused would be apprehended soon.

Chirag Paswan, Whose Party Scored 5/5 In Bihar Battle, May **Become Minister**

New Delhi: Chirag Paswan, whose party LJP (Ram Vilas) stunned in this election by winning all the five Lok Sabha seats it contested as part of the NDA alliance in Bihar, is set to become a minister in the third Narendra Modi government, sources have said.

Mr Paswan, it is learnt, received a call from BJP chief JP Nadda ahead of Prime Minister Modi's swearing-in this evening. NDA leaders will shortly gather at the Prime Minister's residence for tea. Chirag Paswan, sources said, had been offered ministerial posts in the first and second Narendra Modi governments, too, but the LJP had then decided that his father and party chief Ram Vilas Paswan should take up the post.

Mr Paswan has been elected from Bihar's Hajipur seat, which his father won a record nine times. This election has been a key milestone in Chirag Paswan's political journey that started under the guidance of his stalwart father. Ram Vilas Paswan's death in 2020 set off a family feud, as both Chirag Paswan and his uncle Pashupati Kumar Paras claimed the veteran's political legacy. The face-off split the party into two factions. The BJP then sided with Pashupati Paras and Chirag Paswan's struggle began. He launched the Bihar First, Bihari First campaign to connect with the people of Bihar, but continued to support the NDA. The efforts did not go

Ahead of the 2024 general election, the BJP decided that Chirag Paswan is their best bet to secure Paswan votes in a state where caste plays a key factor in polls. The plan worked. And the BJP falling short of majority has strengthened the position of allies like Chirag Paswan, whose support is critical for the survival of the coalition government.Speaking to NDTV in an exclusive interview, Chirag Paswan has said the "last couple of years were very difficult". "I lost my father, my party, symbol. We were contesting this election on a new party name, a new symbol. To get people used to a new symbol was a difficult task. But God has been very kind and the people of my state, their belief in me was overwhelming," he said.

Asked if he hopes to get a ministerial berth in Modi 3.0, the 41-year-old had replied, "That's the Prime Minister's prerogative and least of my concerns."

Massive rise in farmers' vote for INDIA bloc, Slip in NDA

New Delhi:The recently-concluded elections defied most exit polls as the NDA alliance won only 293 seats against the projected 330+. One of the reasons for this jolt has been the switch in farmers' support from the ruling alliance to its Opposition, the INDIA Bloc. The Axis My India postpoll survey offers an in-depth analysis of voter inclinations during the 2024 Lok Sabha elections.

This survey delves into the voting behavior among farmers and farm laborers, examining the fluctuations in support for major political parties and their allies over the course of two significant electoral cycles. According to the survey, in the 2019 Lok Sabha election, farmers favoured the Bharatiya Janata Party. Back then, 39 out of every 100 voters chose the party while only 19 out of 100 voters opted for the Indian National Congress. However, in the 2024 Lok Sabha election, the BJP's support decreased slightly to 37 out of Congress experienced a marginal increase to 21 votes. The Congress' major support base came from its allies which saw a surge in farmers' vote share increase from only 10 per cent in 2019 to an impressive 21 per cent in this election.

INDIA BLOC GAINS AT THE EXPENSE OF REGIONAL **PARTIES**

Similarly, among farm labourers, the 2019 and its allies got 7 per cent. The Congress got 19 per cent and its allies secured 7 per cent.Forward to the recent 2024 Lok Sabha election, the BJP maintained its lead with 31 per cent vote share among farm laborers and its allies too saw a jump to 11 per cent. However, the Congress and its allies saw a more impressive rise to 24 per cent and 17 per cent vote share.

100 voters among farmers, while the The biggest loss in both categories was to other parties, which include major regional parties in the states. These are BSP in Uttar Pradesh, YSRCP in Andhra Pradesh, AIADMK and DMDK in Tamil Nadu, SAD in Punjab, and the BJD in Odisha. In 2019, while 23 out of 100 farmers had voted for such parties, the number fell to just 13 in 2024. A bigger decline was seen in the vote share of farm

BJP secured 32 per cent vote share in The vote share of this category for regional parties had been 35 per cent in the previous election but fell by a drastic 18 percentage point to only 17 per cent. This means the farm labourers support base for regional parties was just half now compared to

other factors beyond a man's control. Renowned American legal scholar Roscoe Pound has explained profession. Historically, there are three ideas involved in a profession. Organisation,

learning and the spirit of public service. The remaining idea, that of earning a livelihood is incidental. When the lawyers do well professionally, they make a good living. Consequently, the top court has held that the professionals cannot be treated equally or at par with the businessman or a trader or a service provider of products or goods as contemplated in the Consumer Protection Act. The next question is, whether the legal profession is different from other rofessions? It is recognised in a catena decisions that the legal profession cannot be equated with any other traditional profession. It is not commercial in nature. It is essentially service oriented. In fact, it is a noble profession. An advocate owes his duty not only to his client but also to the court as well as the opposite side. It needs to be understood that what the advocates do, affects not only an individual but the entire administration of justice.

There is a need to take into consideration certain other aspects which clearly distinguish the legal profession from other professions. The lawyers frequently navigate through complex legal landscapes shaped by diverse factors. The lawyers often face ambiguity and uncertainty in their work. The lawyers on both sides employ strategies to bring results in favour of their clients. The results are dependent upon the decisions of judges. Thus, the lawyer is controlled.

All set at Rashtrapati Bhavan: Red carpet rolled out for 9,000 guests, heads of State

mist fans — the forecourt of the Rashtrapati Bhavan is all set for the Minister-designate Narendra Modi and his Council of Ministers Sunday, which will be attended by around 9,000 guests, including heads of State. The 2hour-long function starts at 7.15 pm. Heads of states from neighbouring countries and the Indian Ocean region, who have been invited as distinguished guests, will be seated in the front rows. The seven foreign leaders are President of Sri Lanka Ranil Wickremesinghe; President of Maldives Mohamed Muizzu; Vice-President of Sevchelles Ahmed Afif; Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina; Mauritius

New Delhi: Red carpets, chairs with Jugnauth; Nepal Prime Minister evening. leather upholstery, water fridges and Pushpa Kamal Dahal 'Prachanda', and Cabinet ministers, who will also be

grand swearing-in ceremony of Prime Since there were complaints regarding unavailability of cold water during the 2019 swearing-in ceremony, rows of water fridges and mist fans have been Interestingly, there are likely to be installed this time keeping in mind the heatwave. The guests are supposed to remain seated for around four hours due to security protocol and VIP arrivals.

Each distinguished guest will be accompanied by ministerial colleagues and family members, who will be accorded a prime place as per protocol. The leaders will also attend a special banquet which will be hosted by President Droupadi Murmu at the Rashtrapati Bhavan later in the

Bhutan Prime Minister Tshering sworn in after the PM, will also be seated on priority. Senior BJP, NDA leaders and diplomats from various countries, who have been invited, will witness the event from the front rows.

> several special invitees, including shramieevis who have contributed to the construction of the New Parliament Building or other prime projects. Surekha Yadav, the first woman loco pilot of the Vande Bharat Express is among the 10 loco pilots invited for the ceremony. According to sources, representatives of the transgender community and beneficiaries of various central government's welfare schemes are also likely to attend the

Prime Minister Pravind Kumar Delhi Minister Atishi seeks emergency meet with Lt Governor over water crisis

Delhi Minister Atishi has requested an emergency meeting with Lieutenant **Governor VK Saxena to** address the city's worsening water crisis due to Haryana's reduced release of water from the Munak Canal.

New Delhi: Delhi Minister Atishi on Sunday said she has sought time for an emergency meeting from Delhi Lieutenant Governor VK Saxena, to apprise him of the water crisis in the national capital. In an X post, Atishi said, "Have sought time from the Hon'ble Delhi Lieutenant Governor for an emergency meeting, to apprise him of the inadequate water being released by Haryana from the Munak Canal.""Delhi is supposed to receive 1050 cusecs of water from the Munak Canal via the CLC

and DSB sub-canals. However, this has reduced to 840 cusecs. 7 Water Treatment Plants are dependent on this water. If the amount of water does not increase today, then the water situation across Delhi will worsen in 1-2 days," she added.

\"Hon'ble Delhi Lieutenant Governor is the representative of the Central Govt. Will be requesting him to intervene and resolve the situation," Atishi tweeted. This comes a day after Atishi alleged

Haryana was not releasing to Delhi its share of 1,050 cusecs of water through the Munank canal.

Addressing a press conference, Atishi said during the summer, when Haryana releases 1,050 cusecs of water, Delhi receives about 990 cusecs. However, in the past one week, Delhi has been getting less water. It received 924 cusecs on June 1, 884 cusecs on June 4, 856 cusecs on June 6, and 840 cusecs on June 7. During every summer, there is a loss of around 59 to 60 cusecs of water due to evaporation.

If 840 cusecs of water is reaching Delhi, it means Haryana is not releasing water in the Munak canal," she said.Delhi has been grappling with a water shortage, The top court also said there should be no with Atishi blaming Haryana for not



releasing Yamuna water to the city. The problem has become acute in some areas such as Chanakyapuri, where residents were seen climbing on top of a tanker with pipes to get their share of water. The acute shortage has become an "existential problem" in Delhi, the

Supreme Court observed on Thursday

and directed the Himachal Pradesh

government to release 137 cusecs of surplus water to the national capital and Haryana to facilitate its flow.

politics over water. Atishi said if water at the carrier-lined channel and the Delhi sub-branch -- two sub-canals of the Munank canal -- stay at this level, then all of Delhi will face a shortage in the coming two days.

Early on Saturday, Atishi visited the two sub-canals of the Munak canal in Bawana. According to an agreement between Haryana and Delhi, Haryana has to release 1,050 cusecs of water daily for the national capital through the Munak canal, she said. Right now, there is a problem in some parts of Delhi but if the water coming from the Munak canal falls, if Haryana does not release the right amount of water, then the situation will become even more serious and there will be shortages in all parts of the city, Atishi claimed.

Kate Middleton, battling cancer, apologises for missing parade rehearsal

London. Kate, the Princess of Wales, apologized for missing Saturday's final rehearsal before the Trooping the Color parade in honor of the king's birthday.

Kate, who is the honorary colonel of the Irish Guards, wished the regiment good luck as she recovers from cancer. Being your colonel remains a great honor and I am very sorry that I'm unable to take the salute at this year's Colonel's Review," she wrote in the letter shared by the Irish Guards on the social media platform X. "Please pass my apologies to the whole regiment, however I do hope that I am able to represent you all once again very soon."The review is a dress rehearsal for the annual military parade held each June to mark the monarch's official birthday. King Charles III will oversee the ceremony June 15.It's still unclear if Kate will attend the ceremony next weekend. She's undergone chemotherapy treatment for an unspecified type of cancer she announced in March after speculation proliferated on social media about her wellbeing because she had not been seen in public for several months. She has revealed few details about her illness, which was discovered after what she described as major abdominal surgery. The king is also undergoing treatment for cancer but has eased back into public duties. He attended commemorations this week for the 80th anniversary of D-Day, the invasion of Nazioccupied Europe on June 6, 1944. Trooping the Color is a 260-year-old tradition in which troops in full dress uniform parade past the king with their ceremonial flag, also known as their "color." Charles is likely to travel to the event by carriage with Queen Camilla and is expected to watch the ceremony seated on a dais, rather than on horseback as he did last year. Some 8,000 people watched Saturday as the Irish Guards in their bright red tunics and bearskin caps marched in formation at Horse Guards Parade in central London. A military band played the national anthem and 240 horses marched as part of the exercise that also featured the regiment's mascot, an Irish wolfhound known as Seamus, draped in a red cape as he was led across the square by his handler.

The event on a sunny but cool day was much different from last year when at least three guardsmen fainted in scorching heat. The Irish Guards said on X that they were touched by the letter from Kate and wished her well in her recovery. Kate succeed her husband, Prince William, as colonel of the regiment in 2022 after he was named colonel of the Welsh Guards

Canada reacts to posters of Indira Gandhi's killing: 'Violence not acceptable'

Vancouver. Promotion of violence is never acceptable in Canada, a minister has said after posters depicting the assassination of India's former Prime Minister Indira Gandhi were reportedly put up by Khalistan supporters in Vancouver.An Indian-origin Canadian lawmaker also expressed concern over the issue, saying by doing so, the Khalistan supporters are trying to instil fear of violence in Hindu Canadians."This week, there were reports of imagery depicting the assassination of Indian Prime Minister Indira Gandhi in Vancouver," Dominic A LeBlanc, the Minister of Public Safety, Democratic Institutions and Intergovernmental Affairs said on X. The promotion of violence is never acceptable in Canada," he said.

Gandhi was assassinated by her Sikh bodyguards in 1984.Meanwhile, Indo-Canadian lawmaker Chandra Arya, who represents the electoral district of Nepean in the House of Commons of Canada, said: "Khalistan supporters in Vancouver with posters of Hindu Indian prime minister Indira Gandhi's body with bullet holes with her bodyguards turned assassins holding their guns, are again attempting to instil fear of violence in Hindu-Canadians."This is a continuation of threats with a similar float in Brampton a couple of years back and a few months back (Gurpatwant Singh) Pannun of Sikhs for Justice asking Hindus to go back to India," Arya, the lawmaker from Prime Minister Justin Trudeau's party said. Pannun is one of the main leaders of the Khalistan movement and the legal advisor and spokesperson for Sikhs for Justice (SFJ), which aims to promote the idea of a separate Sikh state.

Arya called on law enforcement agencies in Canada to take immediate action."With picture of guns readily being used to convey the message may lead to something real if this is left to continue unchallenged.

Attacks in Russian-occupied Ukrainian regions leave 28 dead, says Moscowappointed officials

KYIV. Russia-installed officials in the partially occupied Ukrainian regions of Kherson and Luhansk said Ukrainian attacks left at least 28 people dead as Russia and Ukraine continued to exchange drone attacks overnight on Saturday.

A Ukrainian attack on Friday at the small town of Sadove in the Kherson region killed 22 and wounded 15 people, Moscow-appointed governor Vladimir Saldo said.Russian state news agency Tass cited Saldo as saying that Ukrainian forces first struck the town with a French-made guided bomb, then attacked again with a U.S.-supplied HIMARS missile. He said Ukrainian forces had "deliberately made a repeat strike to create greater numbers of casualties" when "residents of nearby houses ran out to help the injured."sOfficials declared Saturday a day of mourning in Luhansk, and public events will be similarly cancelled on Sunday and Monday in Kherson. Further east, Leonid Pasechnik, the Russia-installed governor in Ukraine's partially occupied Luhansk region, said Saturday that two more bodies had been pulled from the rubble following Friday's Ukrainian missile attack on the regional capital, also called Luhansk. Russian state news agency Interfax cited regional authorities as saying this brought the death toll to six. Pasechnik also said 60 people were wounded in the attack. Ukraine did not comment on either assault.Ukraine launched a barrage of drones across Russian territory overnight Friday, Russia's Defense Ministry said on Saturday. Twenty-five drones were reportedly destroyed over Russia's southern Kuban and Astrakhan regions, the western Tula region, and the Moscow-annexed Crimean peninsula.

North Korea resumes flying balloons across border in likely bid to drop trash

Seoul North Korea resumed flying balloons on Saturday in a likely attempt to drop trash on South Korea again, South Korea's military said, two days after Seoul activists floated their own balloons to scatter propaganda leaflets in the North.Animosities between the two Koreas have risen recently because North Korea launched hundreds of balloons carrying manure and trash toward South Korea in protest of previous South Korean civilian leafletting campaigns. In response, South Korea suspended a tension-easing agreement with North Korea to restore front-line military activities. Saturday's balloon launches by North Korea were the third of their kind since May 28. It wasn't immediately known if any of of the North Korean balloons had landed on South Korean territory across the rivals' tense border.South Korea's Joint Chiefs of Staff said that North Korean balloons likely carrying trash were moving in an eastward direction but they could eventually fly toward the south because

the wind direction was forecast to change later. The Joint Chiefs of Staff advised the public to beware of falling objects and not to touch balloons found on the ground but report them to police or military authorities. After the North's two rounds of balloon activities, South Korean authorities discovered about 1,000 balloons which were tied to vinyl bags containing manure, cigarette butts, scraps of cloth, waste batteries and waste papers. Some were popped and scattered on roads, residential areas and schools. No highly dangerous materials were found and no major damage has been reported. The North's vice defense minister, Kim Kang II, later said his country would stop the balloon campaign but threatened to resume it if South Korean activists sent leaflets again.

In defiance of the warning, a South Korean civilian group led by North Korean defector Park Sang-hak, said it launched 10 balloons from a border town on Thursday carrying 200,000 anti-North



Korean leaflets, USB sticks with K-pop songs and South Korean dramas, and \$1 U.S. bills. South Korean media reported another activist group also flew balloons with 200,000 propaganda leaflets toward North Korea on Friday.

South Korean officials called the North Korean trash balloon launches and other recent provocations as "absurd, irrational" and vowed strong retaliation. South Korea's suspension of the 2018 military agreement with North Korea would allow it to restart live-fire military drills and anti-Pyongyang propaganda broadcasts at border areas, actions that

are certain to anger North Korea and prompt it to take its own retaliatory military steps. North Korea is extremely sensitive to South Korean civilian leafletting campaigns and front-line propaganda broadcasts as it forbids access to foreign news for most of its 26 million people. North Korean leader Kim Jong Un is a third generation of his family to rule North Korea with an iron fist since 1948.Experts say North Korea's balloon campaign is also meant to cause a divide in South Korea over its conservative government's tough approach on North Korea.Liberal lawmakers, some civic groups and front-line residents in South Korea have called on the government to urge leafleting activists to stop flying balloons to avoid unnecessary clashes with North Korea. But government officials haven't made such an appeal in line with last year's constitutional court ruling that struck down a law criminalizing an anti-North Korea leafletting as a violation of free speech.

Missing Indonesian woman found dead inside 16 feet-long python after 3 days

World An Indonesian woman, who was reportedly missing, has been found dead inside the belly of a snake after it swallowed her whole in central Indonesia, a local official told news agency AFP on Saturday.45-year-old Farida was found inside the reticulated python by her husband and residents of Kalempang village in South Sulawesi province on Friday. She went missing on Thursday night and didn't return home. Following that, a search operation was launched, village chief Suardi Rosi told AFP.Her husband "found her belongings, which made him suspicious. The villagers then searched the area. They soon spotted a python with a large belly," said Suardi.
"They agreed to cut open the python's

stomach. As soon as they did, Farida's head was immediately visible," he added. She was found fully clothed inside the python's belly

Instances like these are rare, yet in Indonesia, there have been several fatalities in recent years after pythons



swallowed whole individuals. Last year, residents of inanggea district in Southeast Sulawesi encountered an eight-meter python, which they killed as it was strangling and devouring a farmer in the village.In 2018, a 54-year-old woman was discovered dead



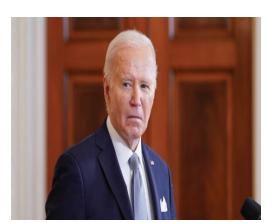
within a seven-meter python in Muna town, also located in Southeast Sulawesi. And in the preceding year, a farmer from West Sulawesi vanished, only to be later found consumed alive by a four-meter python on a palm oil plantation.

Joe Biden's asylum ban saw drop in migrant arrests at **US-Mexico** border

Washington. The number of migrants caught illegally crossing the U.S.-Mexico border dropped on Friday, a senior U.S. border official told Reuters, saying it signaled a restrictive new Biden administration policy was deterring some illegal immigration.

U.S. Border Patrol arrested around 3,100 people crossing illegally, down roughly 20% from the days before, the official said, requesting anonymity to discuss preliminary figures.

"It's still too early to say this is a definitive trend," the official said. "But I think it is indicative of some possible early success."Immigration has emerged as a top issue for Americans in the months before Nov. 5 elections that will decide control of the White House and Congress. President Joe Biden, a Democrat seeking another term, faces Republican Donald Trump - an immigration hardliner - in a rematch of the 2020 contest.Biden took office in 2021 pledging to reverse many of Trump's restrictive immigration



US military says first humanitarian aid reaches Gaza via newly repaired piera

Washington, The first aid from an American-built pier arrived in Gaza on Saturday since storm damage required repairs to the project, the U.S. military said, relaunching an effort to bring supplies to Palestinians by sea that had

The pier constructed by the U.S. military was operational for only about a week before it was blown apart in high winds and heavy seas on May 25. A damaged section was reconnected to the beach in Gaza on Friday after being repaired at an Israeli port. About 1.1 million pounds (492 metric tons) of humanitarian aid was delivered to Gaza through the pier on Saturday, U.S. Central Command said in a statement. It reiterated that no U.S. military personnel went ashore in Gaza. The U.S. Agency for International Development works with the U.N. World Food Program and their humanitarian partners in Gaza to distribute food and other aid coming from the U.S.-operated pier.The deliveries came the same day that



Israel mounted a heavy air and ground assault that rescued four hostages, who had been taken by Hamas during the Oct. 7 attack that launched the war in Gaza. At least 210 Palestinians, including children, were killed, a Gaza health official said. Pushing back against social media claims, U.S. Central Command said in a tweet that neither the pier nor any of its equipment, personnel or other assets were used in the Israeli operation. It noted that Israel used an area south of the pier "to safely return hostages." The temporary pier on the coast of Gaza was put in place for one purpose only, to help move additional, urgently

lifesaving assistance into Gaza," the U.S. military said.USAID said in a separate statement that no humanitarian workers were involved in the Israeli operation. "Humanitarian aid workers in Gaza are operating in extremely difficult and insecure conditions and must be protected," the agency said by email. "Aid workers operate under the

humanitarian principles of humanity, neutrality, impartiality and independence."The movement of aid through the pier brings back online one way to get desperately needed food and other emergency supplies to Palestinians trapped by the eightmonth-old Israel-Hamas war.

policies but has toughened his stance in the face of record migrant arrests at the border.Biden implemented a sweeping policy on Wednesday that generally bars migrants who illegally cross the U.S.-Mexico border from claiming asylum. The asylum ban has exceptions for unaccompanied minors, people who face serious medical or safety threats, and victims of trafficking. The new policy aims to maximize the number of migrants placed in "expedited removal," a fast-track deportation process. Since Wednesday, more than 2,000 people per day were put in expedited removal, more than double the previous rate, the U.S. official said. Questions still remain about whether border crossings will stay low enough to process people quickly and whether U.S. authorities have the capacity to meet their goals.

sue to halt the measure, which resembles Trumpera curbs on asylum.

Florida authorities issue shark warning along beaches after 3 people attacked

Authorities are warning of shark dangers this weekend along Florida's Gulf Coast, where three people were hurt in two separate shark attacks.

UPDATED Authorities are using boats to patrol the ocean and warning swimmers about sharks this weekend along Florida's Gulf Coast, where a woman and two teenage girls were hurt in two separate shark attacks on Friday. The attacks off beaches in the Florida Panhandle led authorities to temporarily close several beaches to swimmers on Friday. Beaches were reopened Saturday, with flags warning of high hazards. "All I can say is that these incidents are very rare," said Demian Chapman, a scientist and director of the Center for Shark Research at the Mote Marine Laboratory and Aquarium in Sarasota, Florida. "It's even more rare to have two events in one day involving three people," he told The Associated Press on Saturday. "That's astronomically low odds of that happening."In Walton County, the sheriff's office, fire department and the state's wildlife agency were working together to patrol the water with boats and the shore with vehicles, the South Walton Fire District said in an update Saturday. Both of Friday's attacks happened in Walton County.Please swim carefully

today, respect the Gulf, stay hydrated, and look out for your loved ones," the fire department said on social media. Red and purple flags were being used Saturday to warn swimmers of the dangers. "Purple" Flags indicate the presence of dangerous marine life and single red flags indicate high hazard conditions," the Bay County Sheriff's Office said in a social media post on Saturday. Small fish are traveling in schools near the shore this time of year, which might have been a contributing factor in the attacks, the Bay County Sheriff's Office said.

The first attack happened Friday afternoon when a woman was bitten by a shark near WaterSound Beach, the Walton County Sheriff's Office said. She had critical injuries on her midsection and arm, and part of her arm had to be amputated, South Walton Fire Chief Ryan Crawford said at a news briefing. She was flown to a trauma center. Less than two hours later, firefighters responded to another beach about 4 miles (6.4 kilometers) east of the first attack "following multiple reports of There's no way of knowing whether it was a teenager injured by a shark," the one shark or two separate ones involved in sheriff's office said. Two teenage girls



were in waist-deep water with a group of friends when they were attacked, the South Walton Fire District said. "When lifeguards and deputies arrived on scene, they found one of the females had significant injuries to the upper leg and one hand," fire officials said in an update. She was flown to a trauma center. The other teen had what officials described as minor injuries on one of her feet. The two teenagers are from Mountain Brook, Alabama, a suburb of Birmingham, Mountain Brook City Manager Sam Gaston told the news site Al.com.

one shark or two separate ones involved in Friday's attacks, but there are more sharks

in the Gulf of Mexico than in past years, Chapman said. There's definitely been a recovery of sharks in the Gulf after many years of overfishing," he said. "They're sort of out there again after being depleted quite a bit."The time of the attacks — in the middle of the afternoon — was also an anomaly, Walton County Sheriff Michael Adkinson said. Sheriff's officials often warn people to be aware of sharks early in the morning and at dusk, their typical feeding times, he noted.On Saturday, Walton County sheriff's deputies patrolling the waters in a boat spotted a 14-foot hammerhead shark near Santa Rosa Beach, which they said is not unusual. Sheriff's officials say they don't know what type of shark attacked the swimmers on Friday."We want to reiterate that sharks are always present in the Gulf," the sheriff's office said in a Saturday post on social media. "Swimmers and beachgoers should be cautious when swimming and stay aware of their surroundings." Also Friday, in Hawaii, a woman was seriously injured in an apparent shark attack in the waters off the island of Oahu, officials said.

WI captain Rovman Powell admits being 'flat' in World Cup opener after Uganda win

New Delhi .West Indies (WI) captain Rovman Powell has admitted that his team was flat in their opening game against Papua New Guinea (PNG) after their clinical 134-run win against Uganda on June 9. Notably, in their opening fixture, the hosts restricted PNG to 136/8 in their allotted 20 overs. However, in reply, they lost the plot midway through the innings losing six wickets for 97 runs in 16 overs and took 19 overs to chase down the target.Reflecting on their performance in the first game, the West Indies skipper admitted that the team was flat as they were playing at home and the pressure got to them. However, after their win against Uganda, he said that they're now at 70-80% but the journey gets tougher ahead.'

We talk about improving 10-15% every match. Last game, we were flat so we just wanted to improve as a team. When you are playing at home, the pressure can sometimes get to you. So, a little bit of rust (in the first match). We started off at 60%, now up to 70-80% and from here, it gets tougher," said Powell in the post-match

Further speaking ahead, Powell hailed leftarm spinner Akeal Hosein for his matchwinning five-wicket haul against Uganda. He also said that the team is focused on playing good cricket.

That is why he is the No.3 ranked bowler in the world: Hosein

'He (Akeal Hosein) has been fantastic, that is why he is the No.3 ranked bowler in the world. He has done it against Full-Member nations as well, and we expect him to do it against teams that are just coming into international cricket. It is just for us to continue to play good cricket. We have played good cricket for the last 12 months or so. It gets tougher from here but we understand conditions and cricket is not easy in the Caribbean. Since West Indies have come to Guyana, the support has been fantastic," he added.Meanwhile, West Indies registered their second consecutive win of the tournament beating Uganda by a massive 134 runs at Providence Stadium, Guyana.

After opting to bat first, the hosts posted a good score of 173/5 in their allotted 20 overs with Johnson Charles top-scoring with 44* (42). In reply, Uganda were bundled out for the joint-lowest score in the T20 World Cup history of 39 as Hosein picked up 5/11 in four overs. His figures are also the best ever by a West Indian bowler in the T20 World Cup.

Pulling out of the IPL was the best thing for me ahead of World Cup: Adam Zampa

New Delhi. Star Australia wrist-spinner Adam Zampa has said that pulling out of Indian Premier League (IPL) 2024 was the best thing for him ahead of the ongoing T20 World Cup 2024. Zampa bowled a brilliant spell of 2/28 in four overs against England during Match 17 on Saturday, June 8 at Kensington Oval, Bridgetown, Barbados.

Courtesy of his spell, Australia managed to beat England by 36 runs to register their second consecutive win of the tournament. Following his match-winning show, the wrist spinner revealed that pulling out of the IPL was the best thing for him as he had some niggles."Yeah, obviously made that decision a little while ago to pull out of the IPL and I thought it was the best thing for me moving forward into this World Cup. I was tired, I had some niggles and I'm a family man as well, so trying to put them first over work sometimes is pretty important," said Zampa in the post-match press conference.

Further speaking ahead, the 32-year-old said that he had to put in a little bit of extra work ahead of the event to get his body ready.

"So, yeah, I actually am a bit of a slow starter and I put in a little bit of extra work. My body feels great and just did that bit of extra work. Maybe a bit more bowling than I usually would before a tournament like this. And then the practice games and everything just feels nice at the moment. And yeah, I think it's, I am a little bit of a slow starter, but this feels like a rare occasion where I've started how I want to," he added.

Zampa dismissed both England openers

Coming back to the Australia vs England game, after being put in to bat first, Australia posted a massive score of 201/7 in their allotted 20 overs with valuable contributions from David Warner (39 off 16), Mitchell Marsh (35 off 25) and Travis Head (34 off 18). In reply, England got off to a brilliant start with openers Jos Buttler (42 off 28) and Philip Salt (37 off 23) adding 73 runs for the first wicket off 43 balls.However, Zampa brought Australia back in the game by dismissing both of them. After their dismissals, the defending champions lost the plot and could only reach 165/6 in their 20 overs. England will next take on Oman on June 13 while Australia will lock horns with Namibia on

Waqar Younis feels New York pitch will provide even contest between India and Pakistan

Former Pakistan fast **bowler Waqar Younis** said that the tricky pitch at the Nassau **County International Cricket Stadium will** provide an even contest between India and Pakistan.

New Delhi .Former Pakistan fast bowler Waqar Younis said that the lively pitch at the Nassau County International Cricket Stadium in New York will provide an even contest between India and Pakistan. The two teams will take on each other in Match 19 of the T20 World Cup 2024 on Sunday, June 9 at Nassau County International Cricket Stadium, New York. The match is an eagerly anticipated contest in the entire cricketing fraternity as both sides have given several blockbuster encounters in



their rich cricketing history. Ahead of the all-important, clash several experts have weighed in their opinion regarding who will come out on top in the crucial fixture. Giving his prediction for the game, Waqar said that the pitch in New York will present an even contest between the two teams.

My heart says Pakistan but from what I've seen so far in this tournament the pitch in

New York is very much for the faster bowlers. So, it evens it out a little bit just purely because of the surface in New York," said Waqar Younis on Star Sports.

Notably, the unpredictability of the New York surface has come to light after India's opening game against Ireland where the surface offered uneven bounce. Several Indian batters were injured during the

fixture after being hit on their elbows as they failed to judge the bounce of the

Following the incident, the International Cricket Council (ICC) also released a statement addressing the issue and stated that they're working to improve the quality of the surface. A day ahead of the India vs Pakistan, India captain Rohit Sharma was hit once again during his practice session which once again brought the unpredictability of the pitch out in the

I will give 60% to India and 40% to Pakistan: Wasim Akram

Meanwhile, another former Pakistan fast bowler Wasim Akram also gave his opinion and said that India is a better team heading into the game but didn't rule out the possibility of the balance tilting quickly with one good spell or an innings. "If we look at India's form, India generally is a better team. Better team in a way that they're favourites heading into that game. I will give 60% to India and 40% to Pakistan. But, it's T20I, one good innings, one good spell, the game can change quickly. I think everybody is looking forward to the game of the tournament," said Akram.

Puja Tomar creates history, becomes first Indian to win in UFC

...India's Puja Tomar created history on June 8, Saturday as she won her debut fight in the UFC. Puja became the first Indian to win in the UFC.

New Delhi.Puja Tomar made history as the first Indian to win a fight in the Ultimate Fighting Championship (UFC), defeating Brazil's Rayanne dos Santos at UFC Louisville 2024. Hailing from Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, Puja had already broken new ground last year by becoming the first Indian woman to secure a UFC contract. In her debut fight in the women's strawweight division, she triumphed by split decision with scores of 30-27, 27-30, and 29-28. The match was a closely contested bout where both fighters showcased their strengths. Puja dominated the first round with powerful body kicks



that landed cleanly on dos Santos. The Indian fighter had Dos Santos thinking twice about advancing in the fight in the first round. The second round saw dos Santos taking the upper hand, constantly advancing and forcing Puja to counter while moving backwards. This round saw the Brazilian decide to adopt the same method as the Indian star and go for kicks more. She was successful in it as both women went at it. The final round was intense and evenly matched, but Puja's decisive push kick knockdown secured her

Speaking after her win, Puja dedicated the moment to the Indian fighters and MMA fans. The 'Cyclone' claimed that before her win, everyone thought the Indian fighters didn't have the right to be on a stage like the UFC.Puja said that she wanted to show that Indian fighters aren't losers."I want to show the world that Indian fighters are not losers. We are going all the way up! We are not going to stop! We'll become a UFC champion soon! This win is

not my win, it's for all Indian fans and all Indian fighters. I walked out to my Indian song with the Indian flag, and I felt so proud. I had goosebumps. Inside (the Octagon), there was no pressure, I just thought, 'I have to win'. I took two or three punches, but I'm OK. I'm going to improve myself and I'm going all the way up," said Puja.Puja follows in the footsteps of Bharat Kandare and Anshul Jubli, who both fought in the UFC but did not win their debut

AUS vs ENG: Jos Buttler wants England to be 'confident' despite tricky Group B scenario

New Delhi. England captain Jos Buttler has urged his team to remain confident after their loss to Australia in the T20 World Cup 2024 on Saturday, June 8. The loss has put the defending champions in a tricky spot as they have got just 1 point from 2 matches. They're currently 4th on the table with Australia and Scotland occupying the top 2 spots.

England will need to win their remaining two matches and hope that Scotland lose their last 2 to stand a chance of making it to the next round. Speaking at the press conference after the game, Buttler said he wants his side to keep their heads high and look forward to the next match and play some good cricket. Yeah, of course, but the situation we find ourselves in is the situation we find ourselves in. We've



got to be confident, keep our heads up and look forward to the next one and keep puffing our chest out and play some really good cricket, which we know we're capable of.

We were outplayed by Australia

Australia ended up defeating England by 36 runs with the batters chipping in with some entertaining cameos. This was followed up by some inspired bowling from Adam Zampa and Pat Cummins as England failed to capitalise on the momentum given by Buttler and Phil Salt.

The England skipper admitted his side was outplayed by Australia and they deserved the win in the end. Buttler felt that Australia played with the right intent and put England under pressure."Not too far. I think, yeah, we were outplayed by Australia. They fully deserved the win today. I think there's a little bit of things we want to tidy up. But, yeah, look, they played well with intent right at the start, put us under a lot of pressure. I thought we fought back relatively well. But I thought their bowling performance was excellent I think especially those middle overs I think we got off to a really good start but the way they controlled those middle overs made it tough to hit boundaries I thought they bowled very well to defend the score," said Buttler.

India vs Pakistan, T20 World Cup: Will New York be good host to cricket's crown jewel?

New Delhi. It is nearly time for the 13th chapter of one of the fiercest rivalries in T20I cricket. India vs Pakistan will take center stage, this time in New York, one of the most popular centers for baseball and

basketball. Unfamiliar territory and uncertainty over the conditions add more intrigue to the high-profile contest as the International Cricket Council brings the crown jewel of cricket to the biggest sports market in the world. Gone are the days when the two neighbouring countries came to a standstill to watch India and Pakistan cricket teams battle for bragging rights and more. Despite not meeting in bilateral series since the 2012-13 season due to geopolitical issues, India and Pakistan have faced each other at least once a year since 2014 in ICC or continental tournaments (Asia Cup). The

widening gulf in class between the two sides has also taken a bit of sheen away. However, the battle between the blue and th green shirts is still ICC's cash cow. While the global football governing body built the

World Cup in 2022, the ICC tried its hand at creating the cricket venue in suburban The India vs Pakistan T20 World Cup fixture Nassau County, located to the east of New York City. The 34,000-seater on the outskirts of the Big Apple has been



assembled at a site which was a public park until December 2023. The Nassau County Cricket Stadium is expected to be packed to the rafters with tight security arrangements in the heart of the United States for the clash on Sunday, June 9.

makeshift Stadium 974 in Qatar for the FIFA WHEN AND WHERE WILL THE INDIA VS PAKISTAN MATCH BE PLAYED?

will be played at the Nassau County Cricket Stadium in New York on Sunday, June 9. The Group A match will begin at 10:30 am local time and 8 pm IST. Yes, it's a morning start in the USA and both teams have had to adapt to the change in timings for their matches in the USA

WHY INDIA VS PAKISTAN IN NEW YORK?

The ICC, in its bid to popularise the sport in the USA, made sure three venues in New York, Dallas and Florida co-hosted 16 out of the 55-match tournament with the other six venues in the Caribbean. Despite having hurriedly arranged a cricket venue that is facing flak for the nature of pitches and practice facilities in the city, New York is expected to be buzzing on the matchday. At least, the two countries' fans are expected to turn up in numbers and deliver the first sold-out crowd at the Nassau County Cricket Stadium.

T20 World Cup: India middle-order face litmus test against Pakistan in New York

New Delhi. As cricket fans all across the world WARY START FOR SURYA, DUBE gear up for the high-value clash between In their T20 World Cup opener, the India and Pakistan in the 2024 T20 World Cup on June 9, the Indian middle-order batters will also face their first real challenge against the likes of Shaheen Afridi and Mohammed Amir. While India will take the field at the Nassau County International Cricket Stadium, New York with an edge of confidence after their comfortable win over Ireland in their tournament opener, it is safe to say that the fixture hardly posed any challenge for the batters.

Only defending 97 runs, the Irish bowlers could hardly flicker the likes of Rohit Sharma and Rishabh Pant, who played a more than enough part in taking India over the mark with their strong 69-run UNDECIDED PLAYINGXI partnership. However, many have ignored Despite the win against Ireland, it still doesn't how the Indian middle-order has so far not shown any consistent signs of stability, be it in their warm-up game against Bangladesh or the Ireland win.

likes of Virat Kohli and Suryaumar Yadav failed to fire after getting dismissed for 1 and 2 runs respectively, highlighting a skim shadow of concern. Coming to the Bangladesh game, the likes of Shivam Dube and Sanju Samson showed a lacklustre touch with the bat in their 1 off 6 balls and 14 off 16 balls knocks respectively. On what has been a very unpredictable pitch in

New York, India will need to field an eleven which can actually handle the pace prowess of the likes of Afridi, Amir and Naseem

close the doors for skipper Rohit Sharma and coach Rahul Dravid to tweak a few things in their playing eleven for the Pakistan game. The first match saw Yashasvi Jaiswal, one of



the more consistent opening partners of Rohit Sharma in recent times, get dropped from the playing XI alongside Sanju Samson, who did get a nod in the warm-up game. Rather, it was Kohli who opened the batting with Rohit and faced a big deadlock at the very startWhereas we saw Pant come in at 3, who has shown the most consistent performance with the bat in both the India games. These string of good scores has only extended Pant's good batting form since his

return to competitive cricket in the IPL

DIMINISHING IPL 2024 FORM

Most of the players in the India squad did not have the best of fate till the far end of IPL 2024, which had only raised concern for the impending T20 World Cup. Specifically, none of the players were a part of this season's final between KKR and SRH, and had majorly left for the team camp in the USA on May 25.

While the players who did feature in the previous stages, like Dube, Samson Ravindra Jadeja, had all shown poor form at the latter end of the tournament. While Dube had started off his IPL 2024 season with a promising performance with the bat, he could only manage 46 runs in his last 5 games in the tournament. On the other hand, Ravindra Jadeja managed a total of 110 runs in his own last 5 games, but his touch lacked that sheer aggressiveness and was more slow-paced.



And Umapathy Ramaiah Wedding: UNSEEN Glimpses From Haldi, Reception Out





ctors Aishwarya Arjun, daughter of South Action King Arjun Sarja and former actress Niveditha Arjun, along with Umapathy Ramaiah, son of celebrated actor-turned-director Thambi Ramaiah, began their prewedding festivities in Chennai on June 7, 2024. The celebrations kicked off with a Haldi ceremony, held as a close-knit event at Aishwarya's home. She wore a simple white kurta, and the decor followed a vibrant yellow theme titled 'Cover Me in Sunshine,' creating a perfect backdrop for the traditional customs. Following the Haldi, the couple hosted an intimate Mehendi ceremony at Aishwarya's residence in Chennai. Aishwarya looked stunning in a vibrant yellow Anamika Khanna outfit, complementing the traditional decor themed 'The Sky Turned Pink,' which featured a dreamy setup complete with special Agra chaat. As Aishwarya prepares for her Telugu film debut and Umapathy plans his second directorial movie, their pre-wedding celebrations are brimming with the excitement of new beginnings. The anticipation surrounding their wedding ceremonies is high. Amid this, it is being reported that the reception will be held on June 14. Pinkvilla obtained a part of the invite. As per the invite, the wedding reception will take place on June 14 at the Leela Palace in Chennai. It is scheduled to begin at 6:30 pm. Arjun Sarja and his wife, former actress Niveditha Arjun extended their warm wishes via the invite. The couple met on the reality show 'Survivor,' where Arjun Sarja was the host. They instantly clicked, leading to their engagement in October last year. Their love story is a beautiful narrative of two creative souls coming together, both

supporting each other's dreams and ambitions. Aishwarya Arjun debuted in 2013 with the action-comedy film Pattathu Yaanai, costarring Vishal and Santhanam. Despite several subsequent appearances, she struggled to make a lasting impact on the audience. Another notable film was Prema Baraha, directed by her father Arjun Sarja and produced by her mother Niveditha Arjun. Released in both Tamil and Kannada in 2018, the bi-lingual film achieved commercial success in Karnataka, while the Tamil version saw average box office performance.

Mehreen Pirzada

Is Sizzling Hot In Her Green Dress And Sarong Skirt

ctress Mehreen Pirzada is one of the prominent faces in the Telugu film industry. She has shown her impeccable acting skills in films like Pattas, Ardab Mutiyaran and F3: Fun and Frustration. Besides her stupendous acting prowess, Mehreen also drops stunning snippets of her glamorous photoshoots, shelling out major fashion goals to her fans. Recently, the 28-year-old actress enthralled us once again with her photos of green dress on Instagram which she paired with a sarong skirt. Mehreen exuded hotness as she flaunted her toned legs against the backdrop of a serene beach in Belize. She left her tresses open and opted for glowy makeup and minimal accessories, i.e.- bangle and earrings as well. She also shared photos of the alluring sunset at the beach and wrote in the caption," Missing Belizean ". The 28-year-old actress added the song Somewhere Only We Know by Rhianne.

Social media users were left drooling over her pictures and showered the comment section with heart and fire emoticons. Not only the Western, but the Ardab Mutiyaran actress also knows how to ace the Indian outfit as well. In the series of pictures on Instagram, she can be seen draped in a dreamy white, translucent saree, with a subtle touch of pink hue. Looking every bit royal, Mehreen paired her outfit with a heavily embroidered, stone-encrusted pinkish-white blouse. The Telugu actress accessorised her divine avatar with a delicate gold, heart-shaped necklace, a diamond ring, a dainty bangle and a small-studded, shiny pair of floral earrings. "Gulab aise hi nahi gulab hota hai. Yeh ada kaaton mein palne ke baad aati hai.", the caption of the photos read.



On the professional front, Mehreen last acted in the film Spark: LIFE which garnered mixed reviews from the audience. Directed by Vikranth Reddy, this film starred an ensemble cast of actors Rukshar Dhillon, Guru Somasundaram, Vennela Kishore and others. Critics pointed out the poor acting prowess of Vikranth Reddy and the storyline of the film, which appears to have been lifted from the plots of other films. Deaf Frog Productions produced this pan-India film.



Anushka Sharma, Virat Kohli Spotted With Daughter Vamika At New York Hotel



nushka Sharma is currently enjoying her motherhood phase. She welcomed her second son in February this year. And since then she has been spotted less. Well, recently a video has surfaced online in which she has been spotted with her daughter Vamika and hubby Virat Kohli at a New York hotel. The video has gone viral and giving fans a rare glimpse of their private lives. In the viral clip, Anushka, and Virat are seen holding Vamika's hand and walking. As soon as the video was shared, fans reacted. One of the fans wrote, "Vamika long hair she grown up so fast." Another wrote, "Awwwww the way she is walking by holding hands of Virushka!! Our Little Babyy Is All Grown Upppp"

The power couple was recently spotted enjoying the city's vibrant atmosphere. Virat, who is gearing up for the T20 World Cup with the Indian cricket team, is taking out a bit of time in between his practice sessions to relax with his wife Anushka and kids Akaay and Vamika. In a new photo that's going viral online, Virat looks dapper in a blue shirt, while Anushka keeps it chic in a classic white tee and black pants. The duo, who were earlier seen at the airport in a viral photo, seem to be relishing their time together before Virat's cricketing commitments take centerstage.

Meanwhile, another unseen photo of Virat Kohli and Anushka Sharma from the airport as Virat left for T20 World Cup 2024 is going viral on Reddit. In the photo, Anushka wears a simple, black tee with ice-blue denims, whereas Virat is seen in a white tee paired with a beige shirt and black trousers and a beige, sporty cap. Fans are wondering if Anushka, too, joined him for the T20 World Cup is New York. As soon as the photo was shared on Reddit, fans thronged the comments section. Two weeks back, Bollywood star Anushka Sharma and her cricketer husband, Virat Kohli, surprised paparazzi with gift hampers to thank them for respecting their privacy. The couple, who recently welcomed their son, had requested the paparazzi to avoid taking pictures of their children. In appreciation of their cooperation, Anushka and Virat sent them thoughtful gift

Remember Bindu Nanubhai Desai From 1971 Film Kati Patang? A **Look At Actress' Journey**



indu Nanubhai Desai is a former Indian actress who ruled Bollywood in the 1970s. She appeared in over 160 films throughout her four-decade career, earning seven Filmfare Award nominations. Bindu started her acting career with the 1962 film Anpadh, which starred Balraj Sahni, Dharmendra, Mala Sinha and Shashikala in the lead roles. After this, she starred in popular films like Ittefaq and Do Raaste. But she came into the limelight for her role as Shabnam in Kati Patang 1970 and for her films opposite Prem Chopra. With her charisma and charm, the actress had become the queen of the glam world.Bindu has worked with stars like Amitabh Bachchan, Rajesh Khanna, Anupam Kher and Jeetendra. According to reports, she came to showbiz to become a lead actress, but the industry made her a villain. In the 1990s, she started taking the role of a negative mother-in-law in every film. The actress who gained recognition from Rajesh Khanna and Asha Parekh's film Kati Patang was known for her negative roles as well as her amazing dance in her time. She also received immense appreciation for playing villainous roles.

Kati Patang was a musical drama film produced and directed by Shakti Samanta. The film was a box-office success. After this, Bindu Nanubhai Desai never looked back and has worked in many hit films in her career. It includes Do Raaste, Dastaan, Abhimaan, Imtihan, and Arjun Pandit, to name a few.

In the later stages of her career, she made fewer on-screen appearances, like the ones in Shola Aur Shabnam and Aankhen, which highlighted her comic side, and was followed by other light and funny performances in Hum Aapke Hain Koun..!, Main Hoon Na, and Om Shanti Om. Talking about her personal life, Bindu had fallen in love with her neighbour, Champaklal Zhaveri, at the young age of 15. The two got married when Bindu was just 18 years old.